हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 03 अंक - 90 बेमेतरा, बुधवार 18 नवम्बर 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

मोदी ने पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में उठाया समुद्री सुरक्षा और आतंकवाद का मुद्दा, सहयोग के लिए रखे चार प्रस्ताव

मनीला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मनीला में 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ई ए एस) को संबोधित किया। मोदी ने दुनिया में चल रहे संकट और संघर्षों के बीच शांति के लिए बातचीत, आपसी सम्मान और सहयोग की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र को स्वतंत्र, खुला, समावेशी और नियमों पर आधारित बनाए रखने की बात कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि संकट और संघर्षों का असर दुनियाभर में खाद्य, ईंधन और उर्वरक सुरक्षा पर पड़ रहा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में निशाना बनाये जा रहे व्यापारिक जहाजों और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जरूरत भी बतायी। उन्होंने यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के प्रयासों के लिए भारत का समर्थन दोहराया। प्रधानमंत्री ने आतंकवाद को शांतिप्रिय समाजों के लिए खतरा बताया। साथ ही पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के तहत सहयोग बढ़ाने के लिए चार प्रस्ताव रखे। इनमें नाविकों की सुरक्षा के लिए संयुक्त प्रशिक्षण और आपातकालीन प्रतिक्रिया से जुड़ी पहल, सीमा पार ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराधों से निपटने के लिए राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय में ई ए एस साइबर अपराध सम्मेलन, लोथल में समुद्री विरासत महोत्सव और नालंदा में ई ए एस विश्वविद्यालय सम्मेलन आयोजित करने का प्रस्ताव शामिल है। प्रधानमंत्री ने शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन करने के लिए फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस को बधाई भी दी।

पीएम ने थाईलैंड के प्रधानमंत्री से द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मनीला में 23वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन से इतर थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और थाईलैंड के बीच रणनीतिक साझेदारी की प्रगति की समीक्षा की और व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, कनेक्टिविटी, डिजिटल तकनीक और पर्यटन समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। दोनों प्रधानमंत्रियों ने क्षेत्रीय मंचों पर आपसी सहयोग मजबूत करने के महत्व पर भी जोर दिया। इनमें बिम्सटेक, आईओआरए, मेकांग-गंगा सहयोग और आसियान के नेतृत्व वाले मंच शामिल हैं।

इसके अलावा दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया तथा आपसी साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहरायी। भारत और थाईलैंड के बीच रणनीतिक साझेदारी की शुरुआत पिछले वर्ष अप्रैल में प्रधानमंत्री मोदी की थाईलैंड यात्रा के दौरान हुई थी। दोनों देशों के संबंध साझा सभ्यतागत और सांस्कृतिक विरासत, जनता के बीच संपर्क और आपसी विश्वास पर आधारित हैं।

थाईलैंड भारत की एक्ट ईस्ट नीति और आसियान के साथ व्यापक रणनीतिक साझेदारी में एक महत्वपूर्ण भागीदार है।

गौमाता भारतीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग : राज्यपाल रमेन डेका



रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका गोपाष्टमी के अवसर पर विश्वगीता धेनु गोविंद पसेवा धाम, परसदा, कुम्हारी पहुंचे। उन्होंने भगवान कृष्ण और गौ माता के दर्शन किए और उनकी पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। उन्होंने गौधाम में स्थापित पघर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव भी उपस्थित थे। राज्यपाल ने गौशाला का भ्रमण किया और गौ माता को चारा खिलाकर उनकी सेवा की। राज्यपाल डेका ने प्रदेशवासियों को गोपाष्टमी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गोपाष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के गोपाल स्वरूप और गौ माता के प्रति हमारी श्रद्धा एवं आस्था का पर्व है। भारतीय संस्कृति में गौ माता का विशेष स्थान है। हालांकि गौसेवा केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि बीमार, घायल, वृद्ध और बेसहारा गोवंश की देखभाल करना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सड़कों पर बढ़ते यातायात के कारण गोवंश के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटनाएं सामने आती हैं। ऐसे में घायल गोवंश को समय पर उपचार उपलब्ध कराना आवश्यक है। इस दिशा में गौ अस्पताल और रेस्क्यू सेंटर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने की सौजन्य मुलाकात



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ आगमन पर रेड्डी का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर दोनों मुख्यमंत्रियों ने साझा हितों से जुड़े विषयों पर निरंतर संवाद और सहयोग बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

उत्तराखंड में यात्री बस के खाई में गिरने से 9 लोगों की मौत, 27 घायल

ऋषिकेश। उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जनपद में मंगलवार तड़के एक यात्री बस के गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार नौ लोगों की मौत हो गयी एवं अन्य 27 घायल हो गये। हरिद्वार से जोशीमठ जा रही यात्रियों से भरी विश्वनाथ सेवा की बस गूलर पुल के समीप अनियंत्रित होकर करीब 120 फीट नीचे गूलर गाड नदी में जा गिरी।

हादसा इतना भयावह था कि बस के नदी में गिरते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना में अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 27 यात्री घायल हुए हैं। सभी घायलों को रेस्क्यू कर उपचार के लिए एम्स ऋषिकेश पहुंचाया गया है। मृतकों में बस चालक और परिचालक भी शामिल हैं। वहीं, चार मृतकों की पहचान की कार्रवाई जारी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार करीब 4:50 बजे चौकी गूलर के माध्यम से थाना मुनिकीरेती को बस दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली। बताया गया कि एक यात्री बस गूलर पुल से नीचे नदी में गिर गई है। सूचना मिलते ही मुनिकीरेती और नरेंद्रनगर थाने की पुलिस, अग्निशमन सेवा नरेंद्रनगर,



आपदा राहत दल तथा एसडीआरएफ की टीमें तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हो गईं। दुर्घटना की गंभीरता को देखते हुए राहत एवं बचाव अभियान युद्धस्तर पर शुरू किया गया। शिवपुरी स्थित आईटीबीपी कैंप से जवानों की टीम भी मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान में सहयोग किया।

हादसे में घायल यात्रियों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने के लिए 108 एंबुलेंस सेवा के साथ स्थानीय अस्पतालों, निजी अस्पतालों तथा एलएंडटी और नवयुगा कंपनी की एंबुलेंस को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस और बचाव दलों ने बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अभियान चलाते हुए 27 घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर एम्स ऋषिकेश भिजवाया। पुलिस के अनुसार दुर्घटना के बाद महज एक घंटे के भीतर घायलों को रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाने की कार्रवाई पूरी की गई। हालांकि, इस भीषण हादसे में सात यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक बस विश्वनाथ सेवा की थी। बस तड़के करीब 3:15 बजे हरिद्वार से 34 यात्रियों को लेकर जोशीमठ के लिए रवाना हुई थी। बस का संचालन चालक राजेंद्र सिंह (48) पुत्र कुंदन सिंह, निवासी क्यूरी पोखरी, जनपद रुद्रप्रयाग कर रहे थे। सुबह करीब 4:50 बजे गूलर पुल के समीप बस अचानक पुल से लगभग 120 फीट नीचे गूलर गाड नदी में जा गिरी। बस में चालक और परिचालक सहित कुल 34 लोग सवार बताए गए हैं। हादसे में चालक राजेंद्र सिंह एवं परिचालक अनुज भंडारी की मौत हो गई। पुलिस द्वारा जारी मृतकों की सूची के अनुसार अब तक पांच लोगों की पहचान हो चुकी है। इनमें विक्की (37) पुत्र सेवाराम, निवासी पावर हाउस, चंदौसी, संभल (उत्तर प्रदेश), पुन्नू (55) पुत्र घुंघरू, निवासी मैखंडी, टिहरी गढ़वाल, राज राय पुत्र द्वारकानाथ राय, निवासी पश्चिम वजीर, जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल, बस चालक राजेंद्र सिंह (48) पुत्र कुंदन सिंह, निवासी क्यूरी पोखरी, रुद्रप्रयाग तथा परिचालक अनुज भंडारी (27) पुत्र अतर सिंह, निवासी बढ़ल, शिवपुरी, मुनिकीरेती, टिहरी गढ़वाल शामिल हैं।

मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ कांग्रेस 26 नवंबर को निकालेगी संविधान रक्षा मार्च



रायपुर। कांग्रेस ने मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं और 'वोट चोरी' के मुद्दे पर अपने राष्ट्रव्यापी आंदोलन की रणनीति में बदलाव किया है। पार्टी अब 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ सहित देश के सभी राज्यों की राजधानियों में 'संविधान रक्षा मार्च' आयोजित करेगी। इसके साथ ही मतदाता सूची की निगरानी और सत्यापन के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर कम से कम एक 'वोट रक्षक' नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को इस संबंध में सभी प्रदेश कांग्रेस कमेटियों को परिपत्र जारी कर संशोधित कार्यक्रम की जानकारी दी है। इसके अनुसार, 25 और 26 नवंबर को प्रस्तावित 'दिल्ली चलो' अभियान के चौथे चरण के कार्यक्रम फिलहाल स्थगित कर आगे बढ़ा दिए गए हैं। पार्टी ने अब आंदोलन को राज्य की राजधानियों से लेकर मतदान केंद्रों तक संचालित करने की कार्ययोजना तैयार की है।

परिपत्र के अनुसार 26 नवंबर को आयोजित 'संविधान रक्षा मार्च' की शुरुआत डॉ. भीमराव आंबेडकर अथवा महात्मा गांधी की प्रमुख प्रतिमा से की जाएगी। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ करेंगे तथा संविधान की रक्षा की शपथ लेंगे। इसके बाद मार्च शहर के किसी अन्य महत्वपूर्ण स्थल तक निकाला जाएगा। कांग्रेस ने बूथ स्तर पर अभियान को प्रभावी बनाने के लिए 22 नवंबर तक जिला कांग्रेस कमेटियों की बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। इसी अवधि में प्रत्येक मतदान केंद्र पर कम से कम एक 'वोट रक्षक' की नियुक्ति और संबंधित कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण पूरा करने को कहा गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 22 से 30 नवंबर तक नियुक्त 'वोट रक्षक' अपने-अपने मतदान केंद्रों की मतदाता सूची का परीक्षण करेंगे। इस दौरान सूची से हटाए गए मतदाताओं के नामों का सत्यापन किया जाएगा। अभियान की प्रगति और कार्यकर्ताओं की गतिविधियों की दैनिक निगरानी की जिम्मेदारी मंडल अध्यक्षों को सौंपी गई है।

बागवानी उत्पादन में 4.36 फीसदी की ऐतिहासिक उछाल: शिवराज सिंह



नयी दिल्ली। देश में कुल बागवानी उत्पादन बढ़कर 3869.15 लाख टन होने की उम्मीद है। यह वर्ष 2024-25 के 3707.38 लाख टन के मुकाबले 161.77 लाख टन यानी 4.36 प्रतिशत अधिक है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस शानदार उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बागवानी क्षेत्र में यह अभूतपूर्व उत्पादन देश के अन्नदाताओं की अथक मेहनत और सरकार की किसान-हितैषी नीतियों का सुफल है। चौहान ने वर्ष 2025-26 के लिए बागवानी फसलों के क्षेत्रफल और उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान मंगलवार को जारी करते हुए यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और अन्य सरकारी एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर जारी इन आंकड़ों की सबसे खास बात यह है कि कम क्षेत्रफल में भी रिकॉर्ड पैदावार दर्ज की जा रही है। वर्ष 2025-26 में बागवानी फसलों का कुल क्षेत्रफल लगभग 297.21 लाख हेक्टेयर रहने का अनुमान है, जबकि 2024-25 में यह 301.36 लाख हेक्टेयर था।

शीतकाल के लिए बंद हुए बदरीनाथ धाम के कपाट, इस वर्ष रिकॉर्ड 23.50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन



श्री बदरीनाथ धाम/देहरादून। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित श्री बदरीनाथ धाम के कपाट सोमवार की रात परंपरागत धार्मिक रीतियों के साथ पालन के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इसके साथ ही इस साल के लिए बदरीनाथ धाम यात्रा का समापन हो गया।

इस वर्ष श्रद्धालुओं की आस्था का एक नया कीर्तिमान बना। गत 23 अप्रैल को कपाट खुलने के बाद से पूरी यात्रा अवधि के दौरान देश-विदेश से श्रद्धालुओं का अभूतपूर्व सैलाब उमड़ा और 23.50 लाख से अधिक भक्तों ने भगवान बदरी विशाल के दर्शन किए। कपाट बंद होने के अवसर पर मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे फूलों से भव्य रूप से सजाया गया और मुख्य पुजारी रावल अमरनाथ नंबूदरी ने परंपरा के अनुसार पूजा संपन्न की। इस दौरान सेना के बैंड, घंटी-घड़ियालों की गूंज और 'जय बद्री विशाल' के जयघोषों से संपूर्ण धाम भक्तिमय हो उठा। कपाट बंद होने के पश्चात परंपरानुसार भगवान उद्धव जी एवं कुबेर जी की प्रतिमाएं भव्य डोली शोभायात्रा के साथ योगध्यान बदरी मंदिर, पांडुकेश्वर के लिए प्रस्थान कर गईं। यहां शीतकाल के दौरान पूजा-अर्चना संपन्न होगी। वहीं, आदि गुरु शंकराचार्य जी की गद्दी विधिवत रूप से ज्योतिर्मठ स्थित नृसिंह मंदिर में विराजमान होगी। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार के नेतृत्व में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए।

कपाट बंदी के इस अवसर पर बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती एवं विजय कपरवाण, मुख्यमंत्री सलाहकार माधव सेमवाल, मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रांगड़, प्रभारी धर्माधिकारी स्वयंवर सेमवाल सहित कई प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

2047 तक विकसित भारत के स्वास्थ्य संबंधी लक्ष्यों को हासिल करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं

मुर्मु ने मलेरिया अनुसंधान संस्थान के स्वर्ण जयंती समारोह का किया उद्घाटन

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को यहां भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर) के राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान के सालभर चलने वाले स्वर्ण जयंती समारोह का उद्घाटन किया और कहा कि कहा कि इस तरह के प्रमुख संस्थान शोध, सहयोग और नवाचार के जरिए 2047 तक विकसित भारत के स्वास्थ्य संबंधी लक्ष्यों को हासिल करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने मलेरिया नियंत्रण में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2024 में भारत विश्व स्वास्थ्य संगठन की 'हाई बर्डन टू हाई इम्पैक्ट' श्रेणी से बाहर हो गया।

उन्होंने कहा कि मलेरिया के विरुद्ध इस लंबे संघर्ष में राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी है। पिछले पाँच दशकों में इसने



मलेरिया परजीवियों, मच्छरों, वाहक नियंत्रण, कीटनाशक प्रतिरोध और समुदाय-आधारित निगरानी जैसे क्षेत्रों में अग्रणी अनुसंधान किया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, अनियोजित शहरीकरण और कीटनाशकों के प्रति मच्छरों में बढ़ता प्रतिरोध जैसी नयी चुनौतियाँ मलेरिया उन्मूलन के मार्ग में नयी बाधाएं उत्पन्न कर सकती हैं। ऐसी स्थिति में, केवल स्वास्थ्यकर्मियों के प्रयास मलेरिया के प्रसार को रोकने में सक्षम नहीं हो सकते। जलभराव को रोकने, मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करने और पर्यावरण के प्रबंधन पर ध्यान देना भी आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नीति-निर्माता और वैज्ञानिक समुदाय इस दिशा में सामूहिक रूप से प्रयास कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

20 नवंबर को स्थानीय अवकाश घोषित करने संबंधी पत्र फर्जी

बिलासपुर। जिला कार्यालय बिलासपुर के नाम से 20 नवंबर 2026 को देवउठनी एकादशी एवं तुलसी विवाह के अवसर पर स्थानीय अवकाश घोषित करने संबंधी प्रसारित पत्र फर्जी है। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी श्री शिवकुमार बनर्जी ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार का कोई आदेश जिला कार्यालय बिलासपुर द्वारा जारी नहीं किया गया है। श्री बनर्जी ने बताया कि उक्त फर्जी पत्र में पूर्व घोषित स्थानीय अवकाश के स्थान पर 20 नवंबर को अवकाश घोषित किए जाने का उल्लेख है। जिला प्रशासन ने इस पत्र का खंडन करते हुए इसकी जांच एवं कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। नागरिकों, शासकीय कार्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों से अपील की गई है कि इस फर्जी पत्र को आधिकारिक आदेश न मानें और इसके आधार पर भ्रमित न हों।

स्वनिधि महोत्सव में दिए जाएंगे चेक और नि:शुल्क यूपीआई पेमेंट बॉक्स, उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंक और नगरीय निकाय होंगे सम्मानित

बिलासपुर। पथ विक्रेताओं से सीधा संवाद, डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहन और उत्कृष्ट कार्य करने वाले हितग्राहियों, बैंकों तथा नगरीय निकायों का सम्मान करने 17 नवम्बर को बिलासपुर में स्वनिधि महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के अंतर्गत नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और सूडा (राज्य शहरी विकास अभिकरण) द्वारा लालबहादुर शास्त्री स्कूल मैदान में आयोजित महोत्सव में केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू मुख्य अतिथि होंगे। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। महोत्सव में पथ विक्रेताओं के ई-पंजीयन की शुरुआत के साथ वित्तीय साक्षरता, डिजिटल भुगतान और स्वरोजगार से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। स्वनिधि महोत्सव में स्ट्रीट वेंडर्स द्वारा फूड स्टॉल्स लगाए जाएंगे। विभाग द्वारा योजना पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू और उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव स्वनिधि चौपाल में पथ विक्रेताओं से संवाद करने के साथ ही उन्हें चेक और नि:शुल्क यूपीआई पेमेंट बॉक्स वितरित करेंगे। लाभार्थियों के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित भी किया जाएगा।

बैंक शाखाओं और हितग्राहियों का सम्मान

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने बताया कि स्वनिधि महोत्सव में योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बैंकों एवं उनकी शाखाओं को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया जाएगा। संभाग के नौ लाभार्थियों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। उत्कृष्ट कार्य करने वाले नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में पथ विक्रेताओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित और डिजिटल लेन-देन के प्रति जागरूक किया जाएगा। स्ट्रीट वेंडर्स के ई-पंजीयन का शुभारंभ भी इस दौरान किया जाएगा। महोत्सव में भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारी स्ट्रीट वेंडर्स को वित्तीय समावेशन एवं वित्तीय साक्षरता की जानकारी देंगे। डिजिटल पेमेंट एग्रीगेटर्स द्वारा डिजिटल भुगतान अभियान के संबंध में जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी। स्वनिधि महोत्सव में विधायकगण सर्वश्री अमर अग्रवाल, धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, दिलीप लहरिया और अटल श्रीवास्तव, बिलासपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत बिलासपुर के अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सवन्नी, छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री राजा पाण्डेय, छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बिलासपुर के अध्यक्ष श्री रजनीश सिंह तथा बिलासपुर नगर निगम के सभापति श्री विनोद सोनी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

खड़े ट्रेलर से टकराई रॉयल यात्री बस : 2 यात्रियों की मौत, 6 घायल, गंभीर हालत में एक रायपुर रेफर

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में रविवार तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। कटघोरा थाना क्षेत्र के तानाखार स्थित अनूप ढाबा के पास रायपुर से अंबिकापुर जा रही रॉयल यात्री बस सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। इस दर्दनाक हादसे में दो यात्रियों की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में एक की हालत गंभीर होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रॉयल यात्री बस रायपुर से यात्रियों को लेकर अंबिकापुर की ओर जा रही थी। रविवार तड़के करीब 3 बजे जब बस कटघोरा थाना क्षेत्र के तानाखार स्थित अनूप ढाबा के पास पहुंची, तभी सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से उसकी जोरदार टक्कर हो गई।

कचरे से बनेगी स्वच्छ ऊर्जा और जैविक खाद, मुख्यमंत्री श्री साय ने किया निर्माणाधीन सीबीजी संयंत्र का अवलोकन

सेंदरी में 75 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा सीबीजी संयंत्र,प्रतिदिन 130 टन कचरे से होगा लगभग 5 टन बायोगैस और 16 टन जैविक खाद का उत्पादन.....

बिलासपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज बिलासपुर प्रवास के दौरान ग्राम सेंदरी में गोवर्धन योजना अंतर्गत भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) द्वारा विकसित किए जा रहे कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र का अवलोकन किया। उन्होंने परियोजना की प्रगति, कचरा प्रसंस्करण की प्रस्तावित व्यवस्था तथा गैस एवं जैविक खाद उत्पादन की प्रक्रिया की जानकारी ली। लगभग 75 करोड़ रुपए की स्वीकृत लागत से विकसित हो रहे इस संयंत्र में प्रतिदिन 130 टन नगरीय ठोस अपशिष्ट का प्रसंस्करण कर लगभग 5 टन कंप्रेस्ड बायोगैस और 16 टन ठोस जैविक खाद का उत्पादन प्रस्तावित है। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, विधायक श्री अमर अग्रवाल, श्री सुशांत शुक्ला, श्री धरमलाल कौशिक, क्रेडा अध्यक्ष श्री



भूपेन्द्र सवन्नी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, महापौर श्रीमती पूजा विधानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कचरे के उपयोग से स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की दिशा में की जा रही इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऊर्जा की बढ़ती जरूरतों और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। कचरे से बायोगैस और जैविक खाद बनाने जैसी परियोजनाएं शहरों की स्वच्छता के साथ संसाधनों के बेहतर उपयोग का मार्ग प्रशस्त करती हैं। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और किसानों को उपयोगी जैविक खाद भी उपलब्ध हो सकेगी। ऐसी पहल स्वच्छ एवं हरित छत्तीसगढ़ के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही यह परियोजना बिलासपुर नगर निगम एवं छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल डेवलपमेंट अथॉरिटी के सहयोग से आकार ले रही है। संयंत्र में नगरीय ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण किया जाएगा। इससे कचरे के निस्तारण का दबाव कम होने के साथ ही अपशिष्ट से ऊर्जा एवं जैविक खाद जैसे उपयोगी उत्पाद तैयार किए जा सकेंगे। संयंत्र से उत्पादित सॉलिड प्रैक्शन ऑफ ऑर्गेनिक मैन्योर (एसएफओएम) का उपयोग जैविक खाद के रूप में किया जा सकेगा, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और कृषि में जैविक संसाधनों के उपयोग को प्रोत्साहन मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना स्थल पर प्रमुख सिविल कार्यों एवं आधारभूत संरचनाओं का निर्माण जारी है। निर्माण कार्यों के दौरान प्रतिदिन लगभग 150 श्रमिकों को रोजगार मिल रहा है।

18वीं यूएसआईसी क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में भारतीय रेलवे पुरुष टीम ने जीता स्वर्ण पदक

■ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के खिलाड़ियों ने भारतीय रेलवे टीम की जीत में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

बिलासपुर। प्राग (चेक गणराज्य) में दिनांक 13 से 16 नवम्बर 2026 तक आयोजित 18वीं स्ट्रुष्ट क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में भारतीय रेलवे की पुरुष टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस उपलब्धि के साथ भारतीय रेलवे की टीम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश एवं भारतीय रेलवे का गौरव बढ़ाया है। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के दो कर्मचारियों ने भारतीय रेलवे की पुरुष टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन



किया। दोनों खिलाड़ी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में वाणिज्यिक सह टिकट क्लर्क के पद पर कार्यरत हैं। इनमें शामिल हैं— 1- श्री हरीश 2- श्री प्रिंस राज यादव भारतीय रेलवे की पुरुष टीम ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विभिन्न देशों की रेलवे टीमों को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश एवं खेल संघ के पदाधिकारियों ने भारतीय रेलवे की पूरी पुरुष टीम तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के दोनों खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार रेलवे एवं देश का नाम रोशन करने की कामना की।

किसानों की समृद्धि से ही छग प्रदेश की तरक्की:मोनिका सिंह

रामानुजनगर। किसानों की मेहनत और खुशहाली से प्रदेश की समृद्धि का रास्ता जुड़ा हुआ है। इसी भावना के साथ ग्राम तिवरागुड़ी में धान खरीदी केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य मोनिका सिंह शामिल हुईं। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे का विधिवत पूजन-अर्चन कर धान खरीदी की शुरुआत की। इस अवसर पर किसानों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य मोनिका सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार ने भुइयां के भगवान कहे जाने वाले किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए धान खरीदी का शुभारंभ किया है। किसान हमारे देश और प्रदेश की



अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं। किसानों की उन्नति और समृद्धि के साथ ही देश एवं प्रदेश का विकास जुड़ा हुआ है। इसलिए किसानों के हित में संचालित योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र किसान तक पहुंचना आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के कल्याण और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सरकार जो वादे करती है, उन्हें पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। धान खरीदी किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जिससे उन्हें अपनी मेहनत की उपज का उचित लाभ मिल सके। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी बेहतर व्यवस्था और सुविधाओं के साथ धान खरीदी की जाएगी। मोनिका सिंह ने किसानों को डिजिटल सुविधाओं की जानकारी देते हुए कहा कि किसान अपनी सुविधा के अनुसार 'तुहर टोकन मोबाइल ऐप' के माध्यम से घर बैठे धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त कर सकते हैं।

8 नवीन केंद्रों समेत 73 उपार्जन केंद्रों में 53 हजार 475 किसान समर्थन मूल्य पर बेच सकेंगे धान

कोरबा। खरीफ विपणन वर्ष 2026 -27 में आज 15 नवंबर से धान खरीदी अभियान का आगाज होगा। पारदर्शिता के लिए प्रदेश में पहली बार बायोमेट्रिक पद्धति आधारित धान खरीदी व्यवस्था की शुरुआत की जा रही है। किसानों अथवा उनके नॉमिनी उपार्जन केंद्र में जाकर थम्ब इम्प्रेशन (अंगूठा लगाने) के उपरांत ही समर्थन मूल्य पर धान बेच सकेंगे। जिले को 31 लाख 16 हजार 270 क्विंटल धान खरीदी का लक्ष्य दिया गया है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए 8 नए उपार्जन केंद्रों के साथ 60 आदिवासी सेवा सहकारी समितियों के कुल 73 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से 53 हजार 5,475 पंजीकृत किसानों के जरिए धान खरीदी की जाएगी। यहाँ बताना होगा कि छत्तीसगढ़ शासन खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक समर्थन मूल्य पर धान खरीदी करने जा रही है। इस साल खरीदी की मियाद पखवाड़े भर कम कर दी गई है। कोरबा जिले को इस साल 31 लाख 16 हजार 270 क्विंटल धान खरीदी का लक्ष्य दिया गया है । कुल 67 हजार 308.58 हेक्टेयर धान का रकबा है । 8 नए उपार्जन केंद्रों-मुढाली ,चोढ़ा,ढोलपुर,डोंड़की, परसदा,नवापारा ,परला ,एवं पुरैना समेत 60 आदिवासी सेवा सहकारी समितियों के कुल 73 धान उपार्जन केंद्रों के माध्यम से निर्धारित खरीदी दिवस में धान खरीदी की जाएगी। धान खरीदी के पहले ही दिन से इस साल धान की आवक (बोहनी) शुरू हो जाएगी। पहले दिन 15 नवंबर के लिए जिले में 11 समितियों के 11 उपार्जन केंद्रों के लिए 16 किसानों ने टोकन तुंहर एप से 49.48 क्विंटल धान का टोकन कटवाया है।

मंडल के बिलासपुर एवं शहडोल रेलवे स्कूल में वाक निबंध,ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन.....

■ भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, बलिदान एवं जनजातीय संस्कृति के गौरवशाली इतिहास को किया गया स्मरण

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर मंडल के बिलासपुर एवं शहडोल स्थित रेलवे स्कूलों में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें देश की गौरवशाली जनजातीय विरासत से परिचित कराने के उद्देश्य से वाक, निबंध, ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को भारत की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं, कला एवं ऐतिहासिक विरासत के साथ-साथ जनजातीय समाज के उत्थान, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महान



जननायक भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष एवं आदर्शों से अवगत कराने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर मंडल के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-02, बिलासपुर में आयोजित कार्यक्रम में महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी एवं जननायक भगवान बिरसा मुंडा के अद्वितीय योगदान, देशभक्ति, अदम्य साहस एवं अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध उनके ऐतिहासिक संघर्षों पर प्रकाश डाला गया। इसके पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। शहडोल स्थित रेलवे स्कूल में ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने अपनी कलाकृतियों के माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा के जीवन एवं संघर्ष, जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक जीवनशैली, लोककला, प्रकृति संरक्षण तथा जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत को आकर्षक ढंग से उकेरा। वाक् एवं निबंध प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने भारत की गौरवशाली जनजातीय विरासत, समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं तथा राष्ट्र निर्माण में जनजातीय समाज की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाशीलता एवं कलात्मक अभिव्यक्ति प्रदर्शित करने के साथ-साथ देश की सांस्कृतिक विविधता और ऐतिहासिक विरासत को भी समझने का अवसर भी मिला।

15 महीने तक शिक्षिका की अनुपस्थिति पर विभाग मौन क्यों?कार्यभार ग्रहण करने पहुंचीं तो ग्रामीणों का विरोध

सूरजपुर। ग्राम पंचायत साल्ही के मनवार पारा स्थित प्राथमिक शाला में सहायक शिक्षिका के कार्यभार ग्रहण करने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। जानकारी के अनुसार, संबंधित शिक्षिका अगस्त 2025 से विद्यालय में अनुपस्थित थीं। करीब 15 महीने बाद 13 नवंबर 2026 को अचानक विद्यालय पहुंचकर कार्यभार ग्रहण करने की प्रक्रिया शुरू करने पर ग्रामीणों और अभिभावकों ने कड़ा विरोध जताया। ग्रामीणों एवं सरपंच का आरोप है कि पूर्व में संबंधित शिक्षिका शराब का सेवन कर विद्यालय आती थीं, जिसका बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता था। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय केवल पढ़ाई का स्थान नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य और संस्कार निर्माण का केंद्र है। ऐसे में शिक्षिका के आचरण को लेकर उठ रही शिकायतों को नजरअंदाज करना बच्चों के हितों के साथ खिलवाड़ होगा। ग्रामीणों और अभिभावकों ने इसी आधार पर शिक्षिका के पुन: कार्यभार ग्रहण करने पर आपत्ति जताई है। मामले को लेकर ग्राम पंचायत साल्ही के सरपंच कमलो सिंह ने संस्था प्रमुख एवं जिला कलेक्टर सूरजपुर को लिखित सूचना प्रेषित की है। इसमें संबंधित शिक्षिका को कार्यभार ग्रहण नहीं कराने और मामले में उचित संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की गई है। लेकिन इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर की भूमिका को लेकर खड़ा हो रहा है। क्या जिला शिक्षा अधिकारी को संबंधित शिक्षिका की अगस्त 2025 से लगातार अनुपस्थिति की जानकारी नहीं थी? यदि जानकारी थी, तो लगभग 15 महीने तक विभागीय स्तर पर क्या कार्रवाई की गई? क्या अनुपस्थिति की नियमित समीक्षा हुई



और क्या इस अवधि का कोई विभागीय रिकॉर्ड संधारित किया गया? यदि विभाग को इसकी जानकारी ही नहीं थी, तो यह शिक्षा विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल है। वहीं, जब इतने लंबे समय बाद शिक्षिका विद्यालय पहुंचीं, तब कार्यभार ग्रहण कराने से पहले उनकी अनुपस्थिति की अवधि, विभागीय अनुमति और संबंधित शिकायतों की जांच की गई या नहीं, यह भी स्पष्ट होना चाहिए। आखिरकार, बिना पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट किए कार्यभार ग्रहण कराने की प्रक्रिया पर ग्रामीणों की आपत्ति को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है?अब जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर से सवाल है कि इस पूरे मामले में विभाग की जवाबदेही कौन तय करेगा? क्या शिक्षिका की अनुपस्थिति और ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी या मामला केवल कार्यभार ग्रहण कराने तक सीमित रह जाएगा ग्रामीणों एवं अभिभावकों की मांग है कि जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग मामले को गंभीरता से लें, शिक्षिका की अनुपस्थिति का पूरा रिकॉर्ड जांचें, लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच कराएं तथा जांच के आधार पर नियमानुसार निर्णय लें। बच्चों के भविष्य और विद्यालय की गरिमा से जुड़े इस मामले में अब शिक्षा विभाग की कार्रवाई का इंतजार है। उक्त विषय पर जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा के कार्यालय में रिपोर्टर उनका पक्ष लेने के लिए पहुंचे तो जिला शिक्षा अधिकारी अपने कार्यालय से बाहर निकलते हुए कहा कि इस विषय कि मुझे अभी जानकारी नहीं है मैं पता करवाता हूं

नदी में बढ़ा जलस्तर: जल संसाधन विभाग ने देर रात छोंडा पानी, डूबे छठ घाट

कोरबा। पूर्वांचल वासियों का छठ पर्व ऊर्जाधानी में धूमधाम से मनाया जा रहा है।इसकी शुरुआत खरना व्रत के साथ शनिवार से हुई और आज डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ इस पर्व का समापन होगा। पर्व की तैयारी में समस्त व्रती और उनके परिजन लगे हुए हैं। आज शाम डूबते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा का निर्वहन किया जाएगा जिसके लिए विभिन्न छठ घाटों में पूरी तैयारी पहले से कर ली गई है। इन तैयारी पर पिछले साल की तरह इस साल भी कुछ जगह पर पानी फिर गया है जिसमें वह घाट प्रमुख हैं जहां हसदेव नदी का पानी बहता है। सूचनाओं के मुताबिक हसदेव नदी के किनारे स्थित पुरानी बस्ती के करन घाट व इससे लगे दूसरे घाटों में की गई तैयारी पर देर रात पानी फिर गया। बताया जा रहा है कि शनिवार रात करीब 9.30 बजे नदी का जलस्तर एकाएक बढ़ने लगा और नदी के किनारे पूजा के लिए बनाए गए मठ बह गए। आज शाम की पूजा के लिए इन मठों को तैयार किया गया था। साथ ही टेंट भी लगाए गए हैं। यह सारे स्थान कल तक सूखे हुए थे और यहां व्यवस्थाएं की गई थी। बांस-बल्ली गाड़े गए और टेंट भी लगाए गए लेकिन आज सुबह यहां नजारा कुछ और नजर आया।

सार-समाचार

प्रशासन की तत्परता से तातापानी में 48 घंटे में बहाल हुई नल जल आपूर्ति, ग्रामीणों ने जताया आभार



बलरामपुर, जिला प्रशासन की संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई से ग्राम तातापानी के ग्रामीणों को पेयजल संकट से राहत मिली है। ग्राम में पिछले कुछ समय से हर घर नल जल योजना के तहत पेयजल आपूर्ति बाधित थी। मामला संज्ञान में आते ही कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देश के बाद विभाग के अमले ने मौके पर पहुंचकर पाइपलाइन सुधार का कार्य शुरू किया और 48 घंटे के भीतर नल जल योजना को फिर से सुचारु रूप से चालू कर दिया। अब ग्राम में नियमित रूप से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति हो रही है, जिससे ग्रामीणों, विशेषकर आदिवासी परिवारों को बड़ी राहत मिली है। घर-घर नलों से पानी पहुंचने पर ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही है। समस्या के त्वरित समाधान से प्रसन्न होकर ग्राम के सामाजिक कार्यकर्ता श्री अमरदीप मिंज ने समस्त ग्रामवासियों की ओर से जिला प्रशासन को आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ग्राम की समस्या को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर इतनी जल्दी उसका निराकरण करना इस बात का प्रमाण है कि जिला प्रशासन आमजन की समस्याओं के प्रति पूरी तरह संवेदनशील और प्रतिबद्ध है।

आज बासेन में सजेगा गोपाष्टमी महोत्सव, सुरभि गौधाम में होंगी भव्य तैयारियां



बलरामपुर, बासेन स्थित सुरभि गौधाम परिसर में आज मंगलवार को गोपाष्टमी महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। रक्षा गौधाम फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव को लेकर सोमवार को दिनभर परिसर में तैयारियां चलती रहीं। देर शाम तक कार्यकर्ता, गौ सेवक और ग्रामीण सजावट और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे रहे।

परिसर में मुख्य मंच, सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल, अतिथि दीर्घा और भंडारा स्थल को तैयार कर लिया गया है। फूल-माला, तोरण द्वार और लाइटिंग से पूरे परिसर को सजाया गया है। गौशाला में भी विशेष साफ-सफाई की गई है। गायों के बैठने, चारा-पानी और पूजन की अलग से व्यवस्था की गई है।

गौधाम में नवनिर्मित शेड को भी अंतिम रूप दे दिया गया है। आयोजकों के अनुसार इस शेड के बन जाने से गायों को धूप, बारिश और ठंड से बेहतर सुरक्षा मिलेगी। इसी शेड का उद्घाटन आज कार्यक्रम के दौरान किया जाएगा। आज के कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 12 बजे रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इसमें स्थानीय कलाकार भजन, लोकगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। दोपहर 3 बजे अतिथियों का आगमन होगा। इसके बाद 3.20 बजे नवनिर्मित शेड का उद्घाटन एवं 3.30 बजे अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया जाएगा। शाम को कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण होगा। शाम 5 बजे गौ पूजन, गौ सेवा एवं महा आरती का आयोजन होगा। इस दौरान गायों को सजाकर उनकी विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाएगी। इसके बाद शाम 6 बजे भव्य भंडारा एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। गोपाष्टमी का पर्व गौ माता के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने पहली बार गायों को चराने के लिए वन में ले जाना प्रारंभ किया था। तभी से यह पर्व गौ सेवा और गौ संरक्षण के रूप में मनाया जाता है। आयोजकों का कहना है कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य गौ सेवा, गौ संरक्षण और गौशाला के विकास के प्रति लोगों को जागरूक करना है। गौधाम में वर्तमान में बड़ी संख्या में गायों की सेवा की जा रही है, जिनमें कई निराश्रित और बीमार गायें भी शामिल हैं।

कार्यक्रम को लेकर आसपास के गांवों में भी उत्साह देखा जा रहा है। बासेन सहित राजपुर क्षेत्र के ग्रामीणों में महोत्सव को लेकर खासा उत्साह है। आज के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, गौ सेवकों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों के शामिल होने की संभावना है। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर गौ पूजन और भंडारा का प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है।

बाल दिवस पर कोटेया विद्यालय में खेलकूद के साथ सजा बाल मेला

नन्हे उद्यमियों ने व्यंजनों के स्टॉल लगाकर दिखाई व्यावसायिक प्रतिभा





सूरजपुर/ प्रेमनगर:- पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती एवं बाल दिवस के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोटेया में हर्षोल्लास के साथ विविध शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। छात्रों को बाल मेला हेतु प्राचार्य लीनू मिंज, व्याख्याता कृष्ण कुमार ध्रुव, मालिक भारद्वाज, प्रदीप दास, जमुना राम राजवाड़े, कपिल राजवाड़े, गोपाल प्रसाद मैत्री, रीता बर्मन, तुलसिंह कंवर, प्रदीप मरावी, जितेन्द्र गबेल, देवानंद भारद्वाज, विशाल साव आदि ने बाल मेला हेतु प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित खेलकूद एवं अन्य प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इससे विद्यार्थियों में उत्साह, आत्मविश्वास एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा मिला।

बाल मेले में दिखी बच्चों की उद्यमशीलता- बाल दिवस समारोह का विशेष आकर्षण बाल मेला रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने स्वयं विभिन्न खाद्य सामग्रियों के स्टॉल लगाए। इन स्टॉलों पर ब्रेड चाप, आलू चाप, भजिया, मैगी सहित अनेक स्वादिष्ट व्यंजनों का विक्रय किया गया। विद्यार्थियों ने न केवल खाद्य सामग्री तैयार करने एवं बेचने में रुचि दिखाई, बल्कि ग्राहकों से संवाद, वस्तुओं का मूल्य निर्धारण, बिक्री एवं लेन-देन जैसे व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त किए।

विद्यार्थियों में व्यावसायिक कौशल, उद्यमशीलता, आर्थिक समझ, अनुभव प्रदान करने का सराहनीय प्रयास किया गया। विद्यालय परिवार का मानना है कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभाओं को निखारने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं भविष्य में स्वरोजगार के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बाल दिवस का यह आयोजन बच्चों के लिए मनोरंजन, सीखने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का यादगार अवसर बना।

आत्मनिर्भरता हेतु बाल मेला:- ध्रुव- व्याख्याता कृष्ण कुमार ध्रुव ने कहा बाल मेले का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में व्यावसायिक कौशल, उद्यमशीलता, आर्थिक समझ, आत्मनिर्भरता एवं समूह में कार्य करने की क्षमता विकसित करना था। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ वास्तविक जीवन के व्यावहारिक

बदहाल शिक्षा व्यवस्था से नाराज 12वीं के छात्र-छात्राओं का फूटा गुस्सा, 8 किलोमीटर पैदल चलकर बीईओ से मिलने निकले विद्यार्थी



पुहपुटरा स्कूल में नियमित कक्षाएं नहीं लगने और शिक्षकों की मनमानी का आरोप, छात्रा ने प्राचार्य पर टीसी काटने की धमकी देने की कही बात; रास्ते में अधिकारियों ने रोककर सुनी समस्याएं, वाहन से विद्यार्थियों को भेजा स्कूल

लखनपुर। सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत पुहपुटरा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बदहाल शैक्षणिक व्यवस्था से नाराज 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने सोमवार को मोर्चा खोल दिया। शिक्षकों के समय पर स्कूल नहीं पहुंचने, नियमित कक्षाएं संचालित नहीं होने और विषयवार शिक्षकों की कमी से परेशान विद्यार्थी अपनी शिकायत लेकर विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) से मिलने करीब 8 किलोमीटर पैदल ही लखनपुर ब्लॉक मुख्यालय के लिए निकल पड़े। विद्यार्थियों के इस कदम से शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया।

पैदल चलते हुए छात्र-छात्राएं कैमरा जनपद कार्यालय के पास पहुंचे, जहां इसकी सूचना मिलते ही विकासखंड शिक्षा अधिकारी सहित प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को रास्ते में रोककर उनसे बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं।

विद्यार्थियों का आरोप है कि विद्यालय में करीब 24 शिक्षकों का स्टाफ होने के बावजूद पढ़ाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। हिंदी, कृषि एवं आर्ट्स संकाय में विषयवार शिक्षकों की कमी के कारण बोर्ड परीक्षा की तैयारी प्रभावित हो रही है। छात्रों ने बताया कि कई शिक्षक समय पर विद्यालय नहीं पहुंचते और नियमित रूप से कक्षाएं भी संचालित नहीं होतीं। ऐसे में परीक्षा नजदीक होने के बावजूद उनका पाठ्यक्रम पूरा नहीं हो पा रहा है।

इस दौरान एक छात्रा ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि जब उसने शिक्षकों के समय पर विद्यालय आने की बात उठाई तो प्राचार्य द्वारा टीसी काटने की धमकी दी गई। विद्यार्थियों ने विद्यालय में शौचालय की समुचित व्यवस्था नहीं होने, स्कूल भवन का निर्माण आधा-अधूरा रहने और अब तक शैक्षणिक भ्रमण नहीं कराए जाने की शिकायत भी अधिकारियों से की। उनका कहना था कि शैक्षणिक भ्रमण की मांग करने पर फंड की कमी का हवाला देकर बात टाल दी जाती है।

छात्र-छात्राओं के बीईओ देव कुमार गुप्ता से मिलने पैदल निकलने की सूचना पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी देव कुमार गुप्ता, नायब तहसीलदार सर्वेश पटेल, थाना प्रभारी सहित प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने विद्यार्थियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया। इसके बाद प्रशासनिक व्यवस्था के तहत वाहन उपलब्ध कराकर सभी छात्र-छात्राओं को वापस विद्यालय भेजा गया। वहीं बीईओ, नायब तहसीलदार और थाना प्रभारी सहित प्रशासनिक टीम विद्यालय पहुंची और स्कूल प्रबंधन के साथ बैठक कर पूरे मामले पर चर्चा की। अधिकारियों ने विद्यार्थियों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए व्यवस्था में सुधार को लेकर चर्चा की।

बोर्ड परीक्षा सिर पर, आखिर कब सुधरेगी पढ़ाई ?- सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब विद्यालय में करीब 24 शिक्षकों का स्टाफ है, तो इसके बावजूद 12वीं के विद्यार्थियों को नियमित पढ़ाई के लिए सड़क पर उतरने की नौबत क्यों आई? बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे इन विद्यार्थियों को समय पर कक्षाएं और विषयवार शिक्षक उपलब्ध कराना शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी है। अब देखना होगा कि प्रशासनिक अधिकारियों के आश्वासन के बाद विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था में कितना सुधार होता है और विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान कब तक हो पाता है।

खंड शिक्षा अधिकारी देव कुमार गुप्ता - इस संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी देव कुमार गुप्ता ने बताया कि प्राचार्य और विद्यार्थियों के बीच शैक्षणिकभ्रमण को लेकर इशू है। शैक्षणिक भ्रमण हेतु देवगढ़ के लिए अनुमति मिला है लेकिन विद्यार्थियों को कहना है कि उन्हें अन्यत्र जगह शैक्षणिक भ्रमण हेतु जाना है। स्कूल में बैठक लेने के बाद ही मामला स्पष्ट हो सकेगा और पढ़ाई और शिक्षकों की कमी होगा तो उसकी चर्चा कर निराकरण किया जाएगा।

प्राचार्य गोकुल प्रसाद जांगड़े - इस संबंध में प्रभारी प्राचार्य गोकुल प्रसाद जांगड़े से बात करने पर उनके द्वारा कहा गया कि शैक्षणिक भ्रमण हेतु सोमवार को फाइनल होना था। वही प्राचार्य ने कहा कि निमित्त रूप से विद्यालय में पढ़ाई होती है।

कुंवरपुर जलाशय में तीन दिवसीय मत्स्य उन्नयन प्रशिक्षण का समापन, किसानों को सिखाए गए आधुनिक मत्स्य पालन के गुर

मत्स्य पालन को आय का बेहतर जरिया बनाने पर जोर, जनपद पंचायत अध्यक्ष शशिकला सिंह सहित जनप्रतिनिधि हुए शामिल; किसानों को दी गई उत्पादन बढ़ाने और विभागीय योजनाओं की जानकारी



सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कुंवरपुर स्थित जलाशय में आयोजित तीन दिवसीय मत्स्य उन्नयन प्रशिक्षण एवं अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसानों को आधुनिक मत्स्य पालन तकनीकों से अवगत कराना, मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा देना और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शशिकला सिंह उपस्थित रहीं। वहीं भाजपा मंडल अध्यक्ष रवि महंत, मंडल महामंत्री विक्रम सिंह, जनपद सदस्य सुदर्शन सिंह, नीतू सिंह, छोटेलाल मिंज एवं अमित सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

इस दौरान मत्स्य विभाग के अधिकारी शुभम साहू एवं अभिषेक वर्मा ने प्रशिक्षणार्थी किसानों को आधुनिक मत्स्य पालन तकनीक, जलाशय में मछली उत्पादन बढ़ाने के उपाय तथा शासन की विभिन्न विभागीय योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही अध्ययन भ्रमण के माध्यम से किसानों को व्यावहारिक जानकारी भी प्रदान की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि मत्स्य पालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ ही किसानों की अतिरिक्त आय का महत्वपूर्ण साधन बन सकता है। आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक तरीके से मत्स्य पालन अपनाकर किसान अपनी आमदनी में वृद्धि कर सकते हैं।

तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मत्स्य विभाग के अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में किसान प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को ग्रामीण क्षेत्रों में मत्स्य पालन को प्रोत्साहित करने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

गरीब मजदूर महिला का श्रम विभाग में कराया पंजीयन, बच्चों की पढ़ाई को मिलेगी मदद



गौरेला पेंड्रा मरवाही /ग्राम पंचायत कोरजा की एक गरीब मजदूर महिला जिला कार्यालय पहुंची, जहां राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) की मदद से उसका श्रम विभाग में पंजीयन कराया गया।

महिला के दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। पति की मृत्यु के बाद से वह स्कूल में खाना बनाकर बच्चों का पालन-पोषण कर रही है। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई की चिंता से वह परेशान थी।

इसकी जानकारी इंटक के दैनिक कर्मचारी अध्यक्ष, पीएचई विभाग के डी. आर. रौतेल को लगी। उन्होंने तुरंत इंटक के प्रदेश सचिव इदरीश अंसारी को फोन पर मामले की जानकारी दी।

जानकारी मिलते ही इदरीश अंसारी ने महिला को जिला कार्यालय बुलाया और तत्काल ऑपरेटर को बुलाकर श्रम विभाग में पंजीयन के लिए आवेदन कराया।

अब पंजीयन के बाद महिला को श्रम विभाग की योजनाओं के तहत बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के लिए सहायता मिल सकेगी।

इस मौके पर इंटक प्रदेश सचिव इदरीश अंसारी ने मीडिया को बताया कि उनका एक ही उद्देश्य है, हर गरीब मजदूर को सरकार की योजनाओं का पूरा लाभ दिलाना। उन्होंने कहा कि इसके लिए वे लगातार प्रयास करते रहेंगे और यह कार्य आगे भी जारी रहेगा।

कोरजा धान उपार्जन केंद्र के विरोध में सड़क पर उतरे किसान, किया चक्काजाम

चक्काजाम के बाद भी नहीं निकला समाधान, प्रशासन के जवाब से असंतुष्ट किसान; निम्हा केंद्र यथावत रखने या नया खरीदी केंद्र खोलने की मांग



सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड में कोरजा धान उपार्जन केंद्र के विरोध में किसानों का आक्रोश अब सड़क पर दिखाई देने लगा है। सोमवार को अंबिकापुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर लहपटरा गांधी चौक में किसानों ने चक्काजाम कर अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। पूर्व में तहसीलदार को चक्काजाम की सूचना एवं ज्ञापन सौंपने के बाद दोपहर करीब 1 बजे बड़ी संख्या में किसान सड़क पर उतर आए।

किसानों की प्रमुख मांग निम्हा धान उपार्जन केंद्र को पूर्ववत यथावत रखने अथवा किसानों की सुविधा के अनुरूप नया धान खरीदी केंद्र खोलने की है। किसानों का कहना है कि कोरजा धान उपार्जन केंद्र में धान बेचने के लिए उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। वहीं एग्रिस्टेक पोर्टल में पटवारियों के हड़ताल पर चले जाने से किसानों के पंजीयन एवं अप्रूवल की प्रक्रिया में भी देरी हो रही है। ऐसे में खरीदी केंद्र बदलने से किसानों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

चक्काजाम की सूचना के मद्देनजर पुलिस प्रशासन पहले से ही मुस्तैद था। स्थिति उग्र होने से पहले नायब तहसीलदार सर्वेश पटेल पुलिस बल की मौजूदगी में मौके पर पहुंचे और किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने समस्याओं के निराकरण के लिए उचित व्यवस्था बनाए जाने का आश्वासन दिया। हालांकि, किसान अधिकारियों के जवाब से संतुष्ट नजर नहीं आए। किसानों ने आरोप लगाया कि अधिकारी स्पष्ट निर्णय लेने के बजाय गोलमोल जवाब दे रहे हैं और उन्हें लगातार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

जनपद सदस्य प्रतिनिधि धर्मेंद्र झारिया सहित किसानों ने कहा कि जब धान खरीदी शुरू हो चुकी है, तब भी किसान असमंजस में हैं कि आखिर उन्हें किस उपार्जन केंद्र में पंजीयन कराकर धान बेचना है। यदि समय रहते केंद्र को लेकर स्पष्ट निर्णय नहीं लिया गया तो किसानों को भारी परेशानी उठानी पड़ेगी। किसानों ने धान खरीदी के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग भी की, ताकि प्रभावित किसान अपना पंजीयन करा सकें। चक्काजाम के बाद किसानों ने नायब तहसीलदार सर्वेश पटेल को ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। नायब तहसीलदार ने जल्द निराकरण का भरोसा दिलाया, लेकिन मौके पर कोई ठोस निर्णय नहीं होने से किसानों में असमंजस बरकरार है।

चक्काजाम के बाद भी सवाल बरकरार- धान खरीदी का सीजन शुरू हो चुका है, लेकिन उपार्जन केंद्र को लेकर विवाद का समाधान अब तक नहीं हो पाया है। किसानों का सवाल है कि जब खरीदी शुरू हो गई है तो उन्हें अपने धान का पंजीयन किस केंद्र में कराना चाहिए? फिलहाल प्रशासन के आश्वासन के बाद भी किसान स्पष्ट निर्णय का इंतजार कर रहे हैं।

सर्वेश पटेल नायब तहसीलदार - इस संबंध में नायब तहसीलदार सर्वेश पटेल से बात करने पर उनके द्वारा कहा गया की नए धान खरीदी केंद्र बिनकरा (कोरजा) के विरोध और धान का रकबा कम होने धान की जगह अन्य फसल दिखाने को लेकर ज्ञापन सौंपा गया है। शासन स्तर का मामला है इस पर दावा आपत्ति मंगाया गया और शासन को आगे भेजा जाएगा।

संपादकीय

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस ने मेडिकल रिसर्च को किया आसान

एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई के अनुसार, अगले एक दशक में कैंसर, अल्जाइमर, हृदय रोग और मानसिक बीमारियों को पूरी तरह खत्म किया जा सकता है। पहले यह दावा असंभव लगता था, लेकिन आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) ने मेडिकल रिसर्च को जो अभूतपूर्व गति दी है, उससे अब इस लक्ष्य को हासिल करने की एक नई और मजबूत उम्मीद जगी है। एआई कंपनी एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई का दावा है कि कैंसर, अल्जाइमर, हृदय रोग और मानसिक बीमारियां अगले एक दशक में अतीत की बातें हो सकती हैं। कुछसाल पहले अगर यह बात कही गई होती, तो यकीन करना मुश्किल हो जाता। लेकिन, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस ने जिस तरह मेडिकल रिसर्च को रफ्तार दी है, उससे डारियो का बयान उम्मीद जगाता है। काम आसान हुआ। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस की ताकत है बहुत सारे आंकड़ों का तेजी से विश्लेषण। पहले डेटा के ढेर में से जो नतीजे हासिल करने में महीनों और बरसों लगते थे, वह काम अब घंटों और दिन में सिमट गया है। गूगल डीपमाइंड का अल्फाफोल्ड इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इसने प्रोटीन की संरचना का अनुमान लगाने में सफलता हासिल की, जो एक पुरानी पहेली थी। किसी बीमारी से जुड़े प्रोटीन की सही जानकारी होने पर वैज्ञानिक कम समय और लागत में इलाज तलाश सकते हैं। जानकारी बढ़ी। इसी तरह का एक और उदाहरण है रेनटोसेंटिव , फेफड़ों से जुड़ी एक बेहद गंभीर बीमारी की दवा। जेनरेटिव एआई की मदद से खोजी और विकसित की गई यह पहली दवा है। फिलहाल क्लिनिकल ट्रायल के तीसरे चरण में है।

कैंसर और अल्जाइमर जैसी बीमारियों के प्रति समझ बढ़ाने में भी एआई से बहुत सहायता मिली है। ऐसे ही कई और प्रॉजेक्ट हैं, जिन पर दुनियाभर में रिसर्च टीमें लगी हुई हैं।सभी तक पहुंच। चिकित्सा के क्षेत्र में तकनीक हमेशा मददगार रही है और एआई की क्षमताओं को देखते हुए उससे अपेक्षाएं भी उतनी ही ज्यादा हैं। लेकिन, इसके साथ यह चिंता भी है कि तकनीक का लाभ कुछ खास तक सीमित होकर न रह जाए। अभी कुछ चुनिंदा देश हैं, जिन्होंने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस में भारी निवेश किया है। एआई की कुंजी और उससे जुड़ा आर्थिक लाभ भी फिलहाल इन्हीं के पास है। घातक बीमारियों को जड़ से समाप्त करने के लिए तकनीक के फायदों को सभी के साथ बांटना होगा। साथ ही, सरकारों को मेडिकल इंफ्रा पर निवेश बढ़ाने की जरूरत है। डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की भारी कमी है। स्वास्थ्य सेवाओं का बुनियादी ढांचा मजबूत हुए बिना सभी को इलाज नहीं मिल सकता। यह ध्यान भी रखना होगा कि एआई से दवाओं की खोज और उत्पादन में तेजी तो आएगी, पर इलाज बहुत महंगा हुआ तो बड़ी आबादी की पहुंच से बाहर रहेगा। एंथ्रोपिक सीईओ डारियो ने एक अनुमान लगाया है। इसे निश्चित समयसीमा नहीं माना जा सकता। लेकिन, महत्वपूर्ण है कि इससे जुड़ी तैयारियां भी साथ में चलती रहें।

जनजातीय विकास की दिशा में बढ़ते कदम

आंकड़ों के अनुसार 1425 जनजातीय गांवों के लिए पेयजल योजना मंजूर की गई थी, जिनमें से 510 में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो चुकी है। इसी तरह इन इलाकों के लिए 57 मेडिकल वैन संचालित किए जा रहे हैं। जिनके जरिए आदिवासियों के घरों तक अस्पताल पहुंच रहा है और छोटे रोगों का स्थानीय स्तर पर ही इलाज किया जा रहा है। राज्य के स्वीकृत सभी 16 वन अनुसंधान केंद्र भी पूरी तक काम कर रहे है। राज्य में जनजातीय समुदाय के छात्रों के लिए स्वीकृत चालीस छात्रावासों में से 29 में छात्र रहने लगे हैं, जिससे उन्हें सहूलियत हो रही है।

(उमेश चतुर्वेदी)

जनजातीय गौरव दिवस के बहाने यह पड़ताल जरूरी है कि जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनके गांवों और घरों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की गति पहुंचाने के लिए क्या कुछ किया जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्र की मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय की योजनाओं की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है।

भारतीय स्वाधीनता आंदोलन अगर कामयाब हुआ तो इसलिए कि उसमें देश के हर वर्ग और तबके ने हिस्सा लिया था। जिस जनजातीय समुदाय को लेकर धारणा रही है कि वह मुख्यधारा से दूर रहा है, उस समुदाय ने भी भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में ना सिर्फ गहन भागीदारी की, बल्कि उसे अंजाम तक पहुंचाने में योगदान भी दिया। इसी समुदाय के थे बिरसा मुंडा, जिन्हें भगवान का दर्जा तक प्राप्त है। उनकी अगुआई में जनजातीय समुदाय ने स्वाधीनता का बिगुल फूंका था। स्वाधीनता आंदोलन में जनजातीय समुदाय की भागीदारी और उनके योगदान की स्मृति में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2021 में बिरसा मुंडा के जन्मदिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया। इस लिहाज से इस बार छठवीं बार जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है।

जनजातीय गौरव दिवस के बहाने यह पड़ताल जरूरी है कि जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनके गांवों और घरों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की गति पहुंचाने के लिए क्या कुछ किया जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्र की मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय की योजनाओं की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है। इसकी वजह भी है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने कामकाज संभालने के बाद से ही जनजातीय विकास के लिए कई योजनाओं को ना सिर्फ शुरू कर रखा है, बल्कि उन्हें अंजाम तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

भगवान बिरसा मुंडा का जन्म सन् 1875 में झारखंड के रांची जिले के उलीहातू में हुआ था। बिरसा सिर्फ स्वाधीनता सेनानी ही नहीं, समाज सुधारक भी थे। बेहद कम उम्र में ही उन्होंने अंग्रेजों के अत्याचारों, भूमि छीने जाने, बेगारी आदि के विरुद्ध जनजातीय समुदायों को संगठित कर उलगुलान किया



था। उलगुलान का अर्थ होता है, महान विद्रोह। सिर्फ 25 वर्ष की आयु में ही उन्होंने अपनी जिंदगी स्वाधीनता के नाम होम कर दी। इन्हीं बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पिछले साल मनाई गई थी। बहरहाल हमें यह भी याद रखना होगा कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर जनजातीय समाज के दूसरी हस्तियों मसलन, शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गैंदा सिंह, वीर गुंडाधुर, ठाकुर रामप्रसाद पोर्ते, रानी दुर्गावती आदि को भी याद किया जाता है। छत्तीसगढ़ सरकार इस दिवस को ना सिर्फ याद करती रही है, बल्कि उनकी याद में कई सारे विकास कार्यक्रमों को भी आगे लेकर आई है। इसमें सबसे प्रमुख है, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान यानी पीएम-जनमन योजना। इसे 15 नवंबर 2023 को तीन वर्ष के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू किया था। इस योजना के दायरे में देश के सभी आदिवासी समुदाय आते हैं। इसे स्वाधीन भारत के इतिहास की जनजातियों पर केंद्रित यह अब तक का सबसे बड़ा अभियान कहा जाना अतिशयोक्ति नहीं होगा। इस योजना में जनजातीय समुदाय के विकास से जुड़े नौ मंत्रालयों 11 महत्वपूर्ण गतिविधियां शामिल हैं। इसके तहत आवास, स्वच्छ पेयजल, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी के साथ-साथ स्थायी आजीविका के अवसर आदि की उपलब्धता तय की जा रही है। इस अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के लिए भारत सरकार द्वारा घोषित पांच विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूहों मसलन, बैगा, पहाड़ी कोरवा, कमार, अबूझमाड़िया एवं बिरहोर की बसाहटों का विकास किया जा रहा है, जिसमें 1545 ग्राम एवं 2365 छोटी बस्तियां शामिल हैं। इसके तहत राज्यम अब तक स्वीकृत 34,691 पक्के आवासों में से करीब 69 प्रतिशत यानी 24,218 आवास बनाए जा चुके हैं। इस योजना के तहत 2,901 किलोमीटर सड़कें बनाने को मंजूरी दी गई है, जिनमें से आधे से ज्यादा यानी करीब 1,833 किलोमीटर सड़क बनाई जा चुकी है। छत्तीसगढ़ ने राज्य के 7,349 जनजातीय परिवारों के घरों का विद्युतीकरण पूरा कर लिया है। राज्य में जनजातीय समुदायों के लिए 191 आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत किए गए हैं और वे सारे कार्यरत हैं। इनमें से 187 के पास अपने भवन भी हैं। छत्तीसगढ़ सरकार से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार 1425 जनजातीय गांवों के लिए पेयजल योजना मंजूर की गई थी, जिनमें से 510 में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो चुकी है। इसी तरह इन इलाकों के लिए 57 मेडिकल वैन संचालित किए जा रहे हैं। जिनके जरिए आदिवासियों के घरों तक अस्पताल पहुंच रहा है और छोटे रोगों का स्थानीय स्तर पर ही इलाज किया जा रहा है। राज्य के स्वीकृत सभी 16 वन अनुसंधान केंद्र भी पूरी तक काम कर रहे है। राज्य में जनजातीय समुदाय के छात्रों के लिए स्वीकृत चालीस छात्रावासों में से 29 में छात्र रहने लगे हैं, जिससे उन्हें सहूलियत हो रही है। राज्य में जनजातीय विकास के लिए 1719 कौशल विकास केंद्र स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 849 पूरी क्षमता के साथ चल रहे हैं, जहां आदिवासी समुदाय के बच्चों को स्थानीय स्तर पर कौशल विकास की दिशा में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

जनजातीय समुदाय के विकास की दिशा में एक और बड़ी योजना है, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान भी है। जिसे दो अक्टूबर 2024 को प्रधानमंत्री मोदी ने शुरू किया। हजारीबाग से शुरू इस योजना के तहत 30 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 549 जिलों में फैले 63,000 से अधिक जनजाति बहुल गांवों को शामिल किया गया है। जाहिर है कि इसमें छत्तीसगढ़ के जनजातीय बहुल जिलों के 6691 गांव शामिल हैं। इसमें 17 मंत्रालयों की 25 योजनाएं और गतिविधियां जैसे पक्के घर, जल आपूर्ति, घरों का विद्युतीकरण, नई सौर ऊर्जा योजना, मोबाइल चिकित्सा इकाइयां, आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना, हॉस्टल, पोषण वाटिकाएं, एलपीजी कनेक्शन, भारतनेट, स्किल इंडिया मिशन, डिजिटल पहल, सतत कृषि को बढ़ावा, मछली पालन सहायता, वन अधिकार पत्र धारकों हेतु पशुधन पालन, वन अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन, पीएमएएजीबाय , ट्राइबल होमस्टे आदि शामिल हैं। इसके साथ ही जनजातीय समुदाय के विकास के लिए राज्य में वन अधिकार अधिनियम को लागू किया जा चुका है। इसके साथ ही विशेष रूप से जनजातीय समुदाय के लिए उपयोजना बजट व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत छत्तीसगढ़ में साल 2023-24 में जहां 21,492 करोड़ 34 लाख रुपये आवंटित किए गए थे, वहीं साल 2026-27 के लिए 42,165 करोड़ 95 लाख 95 हजार रुपये। स्वीकृत किए गए थे। जाहिर है कि इन योजनाओं के जरिए छत्तीसगढ़ जहां जनजातीय समुदायों के गौरव को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है, वहीं इस समुदाय के लोगों को यह संदेश देने की कवायद में जुटा हुआ है कि वे भी देश के वैसे ही नागरिक हैं, जैसे दूसरे लोग हैं।लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सूर्य षष्ठी व्रत यानी सूप में सजी सृष्टि

(दिलीप पाण्डेय)

छठ, प्रकृति पूजा और सहअस्तित्व का लोकदर्शन है। कार्तिक की ठंडी शाम। नदी किनारे हज़ारों दीये झिलमिला रहे हैं। पानी में उतरी व्रती के हाथ में बाँस का सूप है, जिसमें ठेकुआ, गन्ना, नारियल, केला और मौसमी फल सजे हैं। ध्यान से देखिए तो उस छोटे से सूप में पूरी सृष्टि समाई हुई है। खेत की उपज, पेड़ के फल, नदी का जल और ऊपर आकाश में ढलता सूरज। छठ का यह दृश्य किसी चित्रकार की कल्पना जैसा लगता है, पर यह हमारी हज़ारों साल पुरानी जीवन दृष्टि का सबसे सजीव रूप है।

इतिहास की परतों में छठ : सूर्य की उपासना भारत की सबसे प्राचीन परंपराओं में से एक है। ऋग्वेद में सूर्य और सविता की स्तुति के अनेक मंत्र हैं। गायत्री मंत्र भी सविता देव को ही समर्पित है। वैदिक ऋषि सूर्य को जगत की आत्मा मानते थे।

छठ की जड़ें लोककथाओं और महाकाव्यों में भी मिलती हैं। मान्यता है कि वनवास से लौटने के बाद माता सीता ने कार्तिक शुक्ल षष्ठी को सूर्य की आराधना की थी। मुंगेर में आज भी सीता चरण से जुड़ी आस्था इस कथा को जीवित रखे हुए है। महाभारत में सूर्यपुत्र कर्ण के बारे में कहा जाता है कि वे रोज़ घंटों कमर तक जल में खड़े रहकर सूर्य को अर्घ्य देते थे। एक कथा यह भी है कि पांडवों के कठिन समय में द्रौपदी ने यह व्रत रखा था। छठी मैया को षष्ठी देवी के रूप में पूजा जाता है, जिन्हें संतान की रक्षा करने वाली माँ माना गया है। बिहार के औरंगाबाद ज़िले का देव सूर्य मंदिर इस परंपरा का बड़ा केंद्र है। प्राचीन अंग और मगध की धरती से निकला यह पर्व आज पूर्वांचल, झारखंड, नेपाल के तराई क्षेत्र से लेकर मुंबई, दिल्ली, मॉरीशस और अमेरिका तक मनाया जाता है। जहाँ भी इस मिट्टी के लोग गए, छठ उनके साथ गया।

बिना पुरोहित की पूजा : छठ की सबसे अनोखी बात इसकी सीधी सादी बनावट है। यहाँ भक्त और भगवान के बीच कोई तीसरा नहीं खड़ा होता। न किसी विशेष मंत्र की अनिवार्यता है, न किसी भव्य मंदिर की। नदी का किनारा ही वेदी है और खुला आसमान ही गर्भगृह। व्रती खुद पानी में उतरकर अपनी बात सूर्य से कहती है। इस पर्व में तामझाम की कोई जगह नहीं। सामग्री वही जो खेत और बगीचे ने दी। गुड़, गेहूँ, चावल, गन्ना, सिंघाड़ा, हल्दी, मूली। सब कुछ अपने हाथ से बना, पूरी पवित्रता के साथ। चार दिन का कठिन उपवास मन को भी उतना ही निर्मल करता है जितना घाट की सफाई नदी किनारे को।

एक और बात इसे दुनिया के तमाम पर्वों से अलग करती है। यहाँ अस्त होते सूर्य को भी उतने ही आदर से अर्घ्य दिया जाता है जितना उदय होते सूर्य को। चढ़ते को सलाम करना दुनिया की रीत है, पर ढलते को प्रणाम करना भारतीय मन की उदारता है। यह स्वीकार है कि जीवन का हर पड़ाव, उगना भी और ढलना भी, एक ही चक्र के हिस्से हैं।

प्रकृति पूजा- अंधविश्वास नहीं, विज्ञान है : कुछ लोग प्रकृति पूजा को पिछड़ेपन से जोड़ते हैं। पर ज़रा सोचिए, जिस सूर्य के बिना एक पत्ता भी हरा नहीं हो सकता, जिस जल के बिना एक दिन भी नहीं कटता, उसके प्रति आभार जताना अंधविश्वास कैसे हुआ? यह तो सबसे वैज्ञानिक कृतज्ञता है। हमारे अन्न, हमारी साँस, हमारी ऊर्जा, सबका मूल सूर्य ही है।

अथर्ववेद का पृथ्वी सूक्त कहता है, माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः। यानी धरती माता है और मैं उसका पुत्र। ईशोपनिषद सिखाता है कि त्याग के भाव से भोग करो, किसी के धन का लोभ मत करो। हमारे पुरखों ने प्रकृति को उपभोग की वस्तु नहीं, परिवार का सदस्य माना। इसीलिए पीपल में देवता, तुलसी में माँ, गाय में माता और नदी में देवी देखी गई।

सहअस्तित्व का पाठ : सहअस्तित्व का अर्थ है कि इस धरती पर मनुष्य अकेला मालिक नहीं, बल्कि एक साझेदार है। पेड़, पशु, पक्षी, नदी, पहाड़, सबका इस पृथ्वी पर बराबर का हक है। हम उनसे लेते हैं तो हमें उन्हें लौटाना भी होगा। यह संतुलन ही जीवन का आधार है। छठ इस विचार को व्यवहार में उतारता है। जब व्रती सूर्य से मिली फसल का एक अंश उसी को अर्पित करती है, तो यह लेन देन का नहीं, आभार का संबंध है। जब पूरा मोहल्ला मिलकर घाट बनाता है, रास्ते साफ करता है, अनजान लोगों को प्रसाद बाँटता है, तो यह मनुष्य और मनुष्य के बीच सहअस्तित्व का उत्सव बन जाता है। यहाँ जाति, वर्ग, अमीरी गरीबी की दीवारें पानी में घुल जाती हैं। सब एक ही घाट पर, एक ही सूरज के सामने खड़े होते हैं।

आस्था और आचरण की दूरी : पर आज एक चुभता हुआ सच भी है। जिन नदियों में खड़े होकर हम अर्घ्य देते हैं, उनमें से कई की हालत दयनीय है। कहीं सफेद झाग तैर रहा है, कहीं प्लास्टिक के ढेर लगे हैं, कहीं कारखानों का गंदा पानी बह रहा है। बदलते मौसम, घटती हरियाली और सूखते जलस्रोत बता रहे हैं कि प्रकृति के साथ हमारा रिश्ता बिगड़ चुका है। यह विरोधाभास हमें सोचने पर मजबूर करता है। एक तरफ हम नदी को पवित्र मानते हैं, दूसरी तरफ उसी में कचरा फेंकते हैं। अगर छठ की भावना सच्ची है, तो उसे घाट से उठाकर रोज़ की ज़िंदगी में लाना होगा।

घाट से घर तक संकल्प : इस बार अर्घ्य के साथ मन में एक वचन भी रखिए। घाट को जितना साफ पाया, उससे बेहतर छोड़कर आइए। पूजा में प्लास्टिक और थर्मोकोल की जगह बाँस, मिट्टी और पत्तों का उपयोग कीजिए। घर में हर बूँद पानी का मोल समझिए। और छठी मैया के नाम पर एक पौधा लगाइए, जिसे अपनी संतान की तरह पालिए। छठ हमें बताता है कि धर्म का असली अर्थ प्रकृति के साथ तालमेल में जीना है। जब सूप में सजी सृष्टि को हम सूरज की ओर उठाते हैं, तो असल में उस सृष्टि की रक्षा का वादा भी करते हैं। इस वादे को निभाना ही इस महापर्व का सच्चा फल है।छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ।।

(लेखक 'मानव-केंद्रित लोकतांत्रिक व्यवस्था' में शोधरत हैं। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं

पहले नेता और अफसर ही हनीट्रैप में फँसते थे, अब कंपनियों के सीईओ

अमेरिकी राजनीति में चिप निर्यात पर पहले से जारी बहस के बीच यह सवाल उठने लगा कि कहीं दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर कंपनी का शीर्ष नेतृत्व ही राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से जोखिम में तो नहीं आ गया? विवाद सामने आने के बाद एनवीडिया के शेयरों में करीब 9.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। दो कारोबारी सत्रों में कंपनी का बाजार मूल्य लगभग 430 अरब डॉलर घटने की खबर आई। इसके बाद संकट और गहराया और 12 नवंबर को जेनसन हुआंग के इस्तीफे की खबर सामने आई।

(नीरज कुमार दुबे)

यह पूरा मामला इसलिए भी असाधारण है क्योंकि यहां निशाने पर कोई सामान्य कारोबारी नहीं, बल्कि उस कंपनी का मुखिया है जिसके बनाए अत्याधुनिक चिप्स आज अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी वर्चस्व की लड़ाई का सबसे महत्वपूर्ण हथियार बन चुके हैं। दुनिया की सबसे ताकतवर टेक्नोलॉजी कंपनियों में शुमार एनवीडिया के लिए नवंबर 2026 किसी बुरे सपने से कम साबित नहीं हो रहा। जिस कंपनी के ढ चिप्स पर दुनिया की डिजिटल अर्थव्यवस्था का भविष्य टिका है, उसके शेयरों में भारी गिरावट ने निवेशकों को हिलाकर रख दिया है। लेकिन इस बार संकट की वजह न तो किसी नए प्रतिस्पर्धी की चुनौती है और न ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मांग में कमी। इस तूफान के केंद्र में हैं कंपनी के सीईओ जेनसन हुआंग, चीन से जुड़े जासूसी के गंभीर आरोप और एक हनीट्रैप की कहानी।

मामला इसलिए भी असाधारण है क्योंकि यहां निशाने पर कोई सामान्य कारोबारी नहीं, बल्कि उस कंपनी का मुखिया है जिसके बनाए अत्याधुनिक चिप्स आज अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी वर्चस्व की लड़ाई का सबसे महत्वपूर्ण हथियार बन चुके हैं। हम आपको बता दें कि जेनसन हुआंग का ऐलिस हुआंग नाम की एक चीनी कारोबारी महिला के साथ संबंध चर्चा में आया। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को कथित तौर पर संदेह था कि ऐलिस हुआंग के चीन की खुफिया व्यवस्था से संबंध हैं। वह सिंगापुर की क्लाउड कंप्यूटिंग कंपनी मेगास्पीड इंटरनेशनल से जुड़ी रही थीं।



आरोप यह भी है कि उनके कारोबारी नेटवर्क के जरिए अमेरिकी निर्यात प्रतिबंधों के बावजूद करीब 7.5 अरब डॉलर के एनवीडिया चिप्स चीन तक पहुंचाने में मदद मिली। इस विवाद ने तब और गंभीर रूप ले लिया जब एनवीडिया के बोर्ड ने स्वतंत्र जांच शुरू की। अमेरिकी जांच एजेंसियों की दिलचस्पी भी इस मामले में बढ़ी। अमेरिकी राजनीति में चिप निर्यात पर पहले से जारी बहस के बीच यह सवाल उठने लगा कि कहीं दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर कंपनी का शीर्ष नेतृत्व ही राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से जोखिम में तो नहीं आ गया? विवाद सामने आने के बाद एनवीडिया के शेयरों में करीब 9.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। दो कारोबारी सत्रों में कंपनी का बाजार मूल्य लगभग 430 अरब डॉलर घटने की खबर आई। इसके बाद संकट और गहराया और 12 नवंबर को जेनसन हुआंग के इस्तीफे की खबर सामने आई। कंपनी की सीएफओ कोलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ की जिम्मेदारी सौंपी गई। लेकिन इस कहानी का असली महत्व सिर्फ एक सीईओके विवाद में नहीं छिपा है। इसके पीछे चिप्स की वह वैश्विक लड़ाई है, जिसमें तकनीक अब सीधे कूटनीति, अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा का हथियार बन चुकी है।

चिप्स क्यों बन गए हैं कूटनीतिक हथियार? : देखा जाये तो आज की दुनिया में सेमीकंडक्टर चिप्स की अहमियत तेल और परमाणु तकनीक से कम नहीं है। लड़ाकू विमानों से लेकर मिसाइलों, सैटेलाइट, सुपर कंप्यूटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक, हर महत्वपूर्ण तकनीक के पीछे चिप्स की ताकत है। जिस देश के पास अत्याधुनिक चिप्स और उन्हें बनाने की तकनीक पर नियंत्रण होगा, उसके पास भविष्य की सैन्य और आर्थिक शक्ति को प्रभावित करने की क्षमता भी होगी। यही वजह है कि अमेरिका ने चीन को अत्याधुनिक चिप्स की आपूर्ति पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। दूसरी तरफ चीन लगातार ऐसे प्रतिबंधों से बचने और अपनी तकनीकी क्षमता बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे में एनवीडिया जैसी कंपनी सिर्फ एक कारोबारी प्रतिष्ठान नहीं रह जाती, बल्कि वह अमेरिकी सामरिक हितों का महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाती है।

जेनसन हुआंग का मामला इस बात का उदाहरण है कि किसी कंपनी के सीईओ का निजी जीवन भी किस तरह राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बन सकता है। अगर किसी कारोबारी को व्यक्तिगत संबंधों के जरिए प्रभावित किया जा सके तो उसके फैसलों, संपर्कों और कंपनी की रणनीति तक पहुंचने का रास्ता खुल सकता है।

हनीट्रैप जासूसी की पुरानी तकनीक, नए निशाने : वैसे इस प्रकार की जासूसी का खेल कोई नई रणनीति नहीं है। शीत युद्ध के दौर में सोवियत संघ की चलक और पूर्वी जर्मनी की स्टासी जैसी एजेंसियां भी आकर्षण और प्रेम संबंधों के जरिए महत्वपूर्ण लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए कुख्यात थीं। सिंगापुर के राजनयिक अधिकारी एलन वी खेंग सून का मामला इसका चर्चित उदाहरण है।

1980 में उन्हें सोवियत एजेंट के साथ संबंधों और ब्लैकमेल के जरिए गोपनीय सूचनाएं साझा करने के मामले में दस साल की सजा हुई थी। ताइवान के सेना के जनरल लो सिएन-चे को भी चीन के लिए जासूसी करने के आरोप में 2011 में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। उनके मामले में भी हनीट्रैप की भूमिका की चर्चा हुई थी।

फ्रांस के राजनयिक बर्नार्ड बोरसिकोट का मामला तो जासूसी की दुनिया के सबसे विचित्र प्रकरणों में गिना जाता है। 1964 में बीजिंग में उनकी मुलाकात चीनी ओपेरा कलाकार शी पेई पु से हुई थी। करीब दो दशक तक चले संबंधों में बोरसिकोट को यह विश्वास दिलाया गया कि शी एक महिला हैं और उनका एक बच्चा भी है। इस दौरान बोरसिकोट ने फ्रांस के गोपनीय राजनयिक दस्तावेज साझा किए। 1983 में मामला खुला और 1986 में दोनों को जासूसी का दोषी ठहराया गया था। साथ ही अमेरिका में भी चीनी खुफिया गतिविधियों को लेकर ऐसे मामले सामने आते रहे हैं। चीनी नागरिक फांग फांग के अमेरिकी नेताओं और राजनेताओं से संपर्क बनाने के प्रकरण ने अमेरिकी राजनीति में काफी हलचल मचाई थी। हालांकि, उनके खिलाफ जासूसी का कोई आपराधिक आरोप साबित नहीं हुआ।

बहरहाल, एनवीडिया प्रकरण की सबसे बड़ी सीख यही है कि अब जासूसी का निशाना सिर्फ सैन्य अधिकारी, राजनयिक या सरकारी गोपनीय दस्तावेज नहीं हैं। दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों के सीईओ, उनके कारोबारी नेटवर्क और उनकी निजी कमजोरियां भी खुफिया एजेंसियों के निशाने पर हो सकती हैं। एआई के दौर में चिप्स पर जिसका नियंत्रण होगा, वह भविष्य की ताकत को प्रभावित करेगा। इसलिए बड़ा सवाल यह है कि क्या आने वाले समय में दुनिया की तकनीकी कंपनियां जासूसी और भू-राजनीतिक संघर्ष का नया युद्धक्षेत्र बनने जा रही हैं?

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

क्या आप भी हैं कॉफी के एडिक्ट, तो ऐसे छुड़ाएं ये आदत!



बहुत से लोगों को कॉफी यानि कैफीन का नशा होता है. कुछ लोग चाहकर भी कैफीन की लत को छोड़ नहीं पाते. आज हम आपको बता रहे हैं कैसे आप आसानी से कुछ टिप्स अपनाकर कैफीन की लत से छुटकारा पा सकते हैं.

डीप ब्रीथ प्रैक्टिस- कैफीन विड्रायल सिम्टम से फाइट करने के लिए डीप ब्रीथ प्रैक्टिस करें. लंबी-लंबी गहरी सांसे लेने से कैफीन की स्ट्रांग क्रेविंग, एंग्जाइटी और बेचैनी को भी खत्म किया जा सकता है.

खूब पानी पीएं- कैफीन के एडिक्शन से बचने का बेहतर तरीका है कि पानी खूब पीएं. इससे आपकी क्रेविंग भी कम होगी. रोजाना पानी की अधिक मात्रा पीने से बॉडी डिटॉक्सीफाई होगी और आपकी बॉडी को ये हाइड्रेट रखेगा.

बेहतर नींद लें- अच्छी नींद से भी कैफीन की लत छुड़ाने में मदद मिलती है. लेकिन कम नींद लेने से आपकी कैफीन छुड़ाने की लत पर बुरा असर पड़ता है. हेल्दी स्लिप हैबिट अपनाएंगे तो धीरे-धीरे कैफीन की क्रेविंग कम होने लगेगी.

ग्रीन टी- कॉफी के बदले ग्रीन टी लेने की कोशिश करें. इसे पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं तो कि बॉडी से हार्मफुल टॉक्सिंस को बाहर निकालते हैं. ग्रीन टी पीने से ओवरऑल कैफीन इंटेक कम हो जाता है. काफी के बजाय दिनभर में 3 से 4 कप ग्रीन टी पीएं.

कुछ अन्य टिप्स-
रोजाना सुबह एक्सरसाइज करें.हेल्दी जूस का सेवन करें.प्रोटीन और मैग्नीशियम से भरपूर सप्लीमेंट्स या फूड का सेवन करें.जिनसेन हर्ब का इस्तेमाल करें ये कैफीन की लत को छुड़ाने में मदद करेगा.

मेकअप उतारने के कुछ आसान नैचुरल नुस्खे

ऑफिस, पार्टी, फंक्शन से आने के बाद जितना ज़रूरी कपडे बदलना होता है उतना ही ज़रुरी मेकअप उतारना होता है। इससे आपकी चेहरे की स्किन के रोम छिद्र भी खुल जाते है और पूरे दिन की धूल मिट्टी भी साफ हो जाती है। मेकअप उतारने के लिए आज बाजार में ढेरों प्रोडक्ट मौजूद है। लेकिन इन सब के ना होने के बाद भी आप अपना मेकअप उतार सकती है वो भी सुरक्षित तरीको से। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कुछ ऐसे ही सरल तरीके जिनकी मदद से आप अपना मेकअप तो उतार ही सकती है साथ ही इससे आपकी त्वचा में निखार और चमक भी बरकरार रहेगी ।

दही

दही के फ़ायदे तो हम पहले से ही जानते हैं दही खाने और चेहरे पर लगाने से त्वचा में चमक आती है लेकिन क्या आप जानती हैं कि इसे मेकअप उतारने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। जी हां, दही एक मेकअप रिमूवर भी है 7 इसके लिए सबसे पहले दही को अच्छी तरह से फेंट लें 7 फिर इसमें कॉटन बॉल डुबोकर चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से रगड़ने के बाद जब मेकअप पूरी तरह निकल जाए तो चेहरा पानी से धो लें।

बेबी शैम्पू

बेबी शैम्पू से भी मेकअप रिमूव कर सकते है। एक कप पानी में आठ टी-स्पून ऑलिव ऑयल या कोकोनट ऑयल और आधा टीस्पून बेबी शैम्पू मिलाकर एक बोतल में भरकर आप इसे फ्रीज़ कर सकती है और जरुरत के वक्त इसे मेकअप रिमूव के प्रयोग में ला सकती है।

कच्चा दूध और बादाम तेल

एक टेबलस्पून कच्चे दूध में बादाम के तेल की कुछ बूंदें मिलाकर चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मेकअप छुड़ाएं। यह आपकी त्वचा के लिए अच्छा होता है। इससे आपकी त्वचा मुलायम होती है।

जोजोबा एंड विटामिन ई ऑयल:

विटामिन ई त्वचा को मुलायम बनाता है। यह एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर होता है। जोजोबा ऑयल और एक विटामिन ई कैप्सलू को मिलाकर कांच की बोतल में रख दें । इससे वाटर प्रूफ मस्कारा लिक्विड आई लाइनर भी बिना ज्यादा मेहनत के रिमूव कर सकती है।

नारियल तेल

आपने कोकोनट ऑयल का प्रयोग मॉइश्चराइज़र, लिप बाम की तरह किया होगा। इसके साथ आप मेकअप रिमूवर के तौर पर इसे इस्तेमाल कर सकती है । थोड़ा-सा नारियल तेल हथेली पर लेकर इसे चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मालिश करे। ये स्किन को सॉफ्ट बनाता है और दाग-धब्बों को दूर करता है।



आंखों को इस तरह से लाभ पहुंचाता है ये सेब !

सेब के तो आपने बहुत फायदे सुने होंगे लेकिन क्या आप जानते हैं ये आंखों के लिए भी बहुत फायदेमंद है. आज आचार्य बालकृष्ण जी बता रहे हैं सेब के जरिए कैसे आंखों की समस्याओं को दूर रखा जा सकता है.

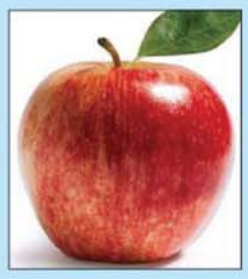

आंखों की परेशानी में सेब- जब आंखों में सूजन हो, लाली हो या फिर कोई इंफेक्शन हो तो कच्चे सेब को आग में भूनकर इसकी पोटली से आंख की सिंकाई करें. इससे एलर्जी और आंख की बाकी समस्याओं से निजात मिलेगी.

सेब की चाय- सेब की चाय बनाने के लिए कच्चे सेब के टुकड़े सुखा लें. सूखने के बाद इसमें तुलसी का पत्ता, पुदीना, काली मिर्च और लौंग मिलाकर उबाल लें. ये चाय का बेहतर विकल्प है. सेब की चाय सर्दी और खांसी में आराम देती है.

बिच्छू डंक में सेब- सेब की पत्तियां बिच्छू डंक में बहुत ही अच्छा काम करती हैं. सेब की 10 ग्राम पत्तियों को 400 ग्राम पानी में मसलकर डालें. बचा हुए पानी जब 100 ग्राम रह जाए तो उसमें सेंधा नमक डालकर इसका सेवन करें.

सेब के पत्ते के पानी में सेंधा नमक घोलकर 4 से 5 बूंदें बिच्छू के डंक के घाव को भरने के लिए बिच्छू जिस हिस्से में काटा है उसकी दूसरी तरफ कान में डाल दीजिए. आराम मिलेगा.

सर्दियों में हरी मटर खाने के है ये बेमिसाल फायदे, जानिए

यूं तो सभी सब्जियों के अपने अलग-अलग फायदे हैं तथा सभी सेहत के लिए लाभदायक होती हैं। लेकिन कुछ सब्जियां ऐसी होती है जो कि मौसम के अनुसार खाने से ही फायदा करती है। सर्दियों का मौसम शुरू हो गया है और इस मौसम में हरी सब्जियां ज्यादा मिलती है।



मटर सर्दियों की सबसे अहम सब्जियों में से एक होती है। बहुत कम ही लोग होते है जो मटर के गुणों के बारे में जानते हैं। खाने खाने से आप कई तरह की गंभीर बीमारियों से भी बच सकते है। इसका रोजाना सेवन करने से कैंसर, मोटापा से बचाव होता है। जानिए इसको सेवन करने के फायदो के बारें में।

कैंसर से करें बाचव

मटर के सेवन से कैंसर का खतरा कम होता है। हर रोज इसे खाने से शरीर से कैंसर के घातक एलीमेंट दूर हो जाते है।

मोटापा से दिलाए निजात

यह फाइबर से भरपूर होती है। यह हमारी बॉडी को एनर्जी देने के साथ-साथ मेटाबॉल्जिम को बढ़ाता है। जिससे कि बॉडी से फैट की मात्रा को भी कम करता है।

मधुमेह

मटर खाने से मधुमेह नहीं होता है। मटर शरीर में खून के स्तर को नियंत्रित करता है। जिससे की डायबिटीस की समस्या नहीं होती है।

कोलेस्ट्रॉल को करें कम

मटर हमारी बॉडी में कोलेस्ट्रॉल को बढ़ने नहीं देती है। मटर खाने से बॉडी में ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर बढ़ता नहीं है। जिससे कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है।

उंगलियों की सूजन को करें कम

सर्दियों के दिनों जिन लोगों की उंगलियां सूज जाती है उनके लिए मटर काफी लाभदायक सिद्ध होता है। मटर के काढ़े के अंदर उंगलियां डुबोने से सूजन कम हो जाती है।

रखें जवां

मटर खाने से आपकी त्वचा लंबे समय के लिए जवान रहती है। इसमें फ्लैवानॉड्स, फाइटोन्यूटिंस, कैरोटिन जैसे एंटी ऑक्सीडेंट होते हैं।

याददाश्त बढ़ाएं

मटर का सेवन करने से याददाश्त बढ़ती है और यह फेफड़ों संबंधी बीमारियों को भी दूर करती है।

हड्डियों को रखें मजबूत

मटर में विटामिन होता है जो की हड्डियों के लिए फायदेमंद होता है। यह ऑस्टियोपोरोसिस के मरीजों के लिए असरदार होती है।

चेहरे की झाइयों को करें कम



मटर सेहत के लिए तो लाभदायक है ही साथ ही साथ सौंदर्य के लिए भी असरदार साबित होती है। मटर के आटे का उबटन चेहरे पर लगाने से चेहरे की झाइयां कम होती है।

टॉन्सिल की दिक्कत से जुड़ी हुई हैं ये समस्याएं भी

टॉन्सिल होने पर गले के दोनों ओर सूजन आ जाती है। शुरुआत में मुंह के अंदर गले के दोनों ओर दर्द महसूस होता है और बार-बार बुखार भी आता है। टॉन्सिल्स सामान्य से ज्यादा लाल हो जाते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि टॉन्सिल के कारण आपको कई अन्य तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। कुछ ऐसी ही समस्याओं पर एक नजर-

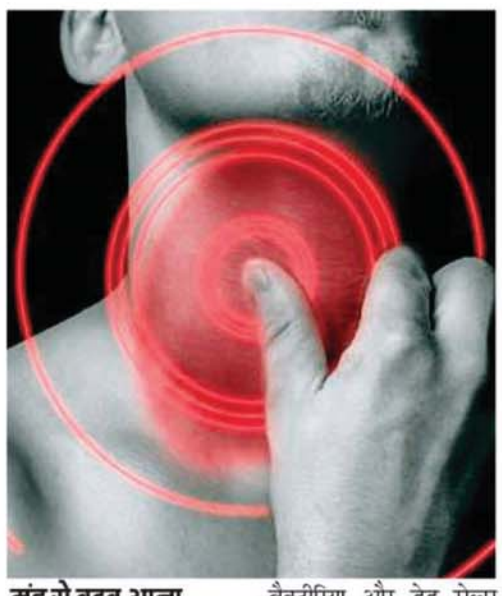

मुंह से बदबू आना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के अनुसार, दुनिया की आधी आबादी मुंह की सफाई न करने के कारण मुंह की बदबू से ग्रस्त हैं। लेकिन टॉन्सिल की समस्या होने पर भी सांसों से बदबू आने लगती है। टॉन्सिल ग्लैंड दरारों से भरा होता है जहां बैक्टीरिया और डेड सेल्स अटक जाते हैं और इनके कारण मुंह से बदबू आने लगती है।

खर्राटों की समस्या

गले में बढ़े हुए टॉन्सिल के कारण आपको खर्राटों की समस्या हो सकती है। अमेरिकन अकादमी ऑफ ओटालर्यनॉलजी के अनुसार, बढ़े हुए टॉन्सिल से खर्राटों की समस्या हो सकती है। जब बार-बार होने वाले संक्रमण के कारण टॉन्सिल का आकार बढ़ने लगता है तो गले में हवा के बहाव में रुकावट आने लगती है। जिससे खर्राटे की समस्या होती है।

साइनस इन्फेक्शन

बढ़े हुए टॉन्सिल से बार-बार साइनस और कान में इन्फेक्शन की समस्या हो सकती है। ऐसा नाक और कान को जोड़ने वाली नली बंद हो जाने से होता है और कान के पर्दे के पीछे पानी जमा हो जाता है। कभी-कभी कान से पस बाहर आने लगता है। इससे सुनने की क्षमता कम होने लगती है।

सिरदर्द की समस्या

बढ़े हुए टॉन्सिल के कारण सोते समय सांस लेने में भी परेशानी होती है। नींद में इस तरह का खलल आने से ब्रेन तक सही मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती और इसकी कमी से रक्त-वाहिनियों का आकार बढ़ जाता है और सिरदर्द होने लगता है।

प्लास्टिक के डिब्बों को साफ करने के लिए आजमाएं ये तरीके

आज के समय में ज्यादातर लोग स्टील और एल्युमिनियम के डिब्बों की जगह प्लास्टिक के डिब्बों का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि ये डिब्बे काफी हल्के होते हैं और इनके टूटने का डर भी नहीं होता। आजकल बाजार में ऐसे कंटेनर भी आ गए हैं जिन्हें माइक्रोवेव में भी रखा जा सकता है। इनमें खाना फ्रेश बना रहता है और साथ ही यह देखने में काफी आकर्षक भी होते हैं। हालांकि प्लास्टिक के कंटेनर का इस्तेमाल बहुत लंबे समय तक नहीं करना चाहिए साथ ही इनकी सफाई का भी पूरा ख्याल रखना चाहिए, वरना ये नुकसानदेह हो सकते हैं।

कई बार प्लास्टिक के डिब्बों को अच्छे से साफ न करने पर उनमें से बदबू आने लगती है और चिकनाहट बनी रह जाती है। ऐसे में यह जरूरी है कि आपको इन्हें साफ करने का सही तरीका पता हो-

1. बदबू दूर करने के लिए

अगर आपके प्लास्टिक के बॉक्स से बदबू आ रही है तो यह घरेलू उपाय आपके लिए उपयोगी रहेगा। एक बाल्टी गर्म पानी ले लें और उसमें तीन चम्मच बेकिंग सोडा डाल दें। प्लास्टिक के इन बॉक्स को बाल्टी में डाल दें। कुछ देर बाद इन्हें निकालकर साफ करें। आप चाहें तो बाल्टी के इस पानी में नींबू का रस और सिरका भी मिला सकते हैं।

2. जिद्दी दाग

अगर आपके प्लास्टिक के डिब्बों पर जिद्दी दाग हैं तो उन्हें साफ करने के लिए क्लोरीन ब्लीच का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा रहेगा। दाग लगे डिब्बों को ब्लीच के इस मिश्रण में डालें। कुछ देर बाद इन्हें निकालकर साबुन से धो लें। दाग दूर हो जाएंगे।

3. रख-रखाव

अगर आप नहीं चाहते कि प्लास्टिक के डिब्बों से बदबू आए तो एक बात का ख्याल हमेशा रखें कि इनमें लंबे समय तक खाना न रखें। साथ ही हर कंटेनर माइक्रोवेव फ्रेंडली हो, यह जरूरी नहीं। ऐसे में बिना जांचें इन्हें माइक्रोवेव में न रखें।



इस छोटी सी ट्रिक से मिलेगा अनचाहे बालों से छुटकारा

यूं तो महिलाएं बॉडी के अनचाहे बालों से परेशान रहती ही हैं लेकिन सबसे ज्यादा उन्हें परेशानी होती है चेहरे पर आने वाले अनचाहे बालों से. लेकिन अब परेशान होने की जरूरत नहीं. आप आसानी से चेहरे के अनचाहे बालों को हमेशा के लिए अलविदा कह सकती हैं. लेकिन इसके लिए अपनानी होगी ये ट्रिक.

सबसे पहले आप 1 टेबल स्पून ओटमील पेस्ट लें. 2 टेबल स्पून शहद लें और 2 टेबल स्पून नींबू का रस लें.

इन सभी को मिलाकर पेस्ट बना लें. इस पेस्ट को चेहरे के उन हिस्सों पर लगाएं जहां आप अनचाहे बालों को हटाना चाहते हैं.

इस पेस्ट को चेहरे पर 15 मिनट तक लगा रहने दें.15 मिनट बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो लें.उसके बाद चेहरे पर मॉश्चराइजर लगाएं.इस नुस्खे को सप्ताह में दो से तीन बार अपनाएं. एक महीने बाद आप खुद देखेंगे अनचाहे बाल आने बंद हो गए हैं.



सर्दियों में त्वचा को यूं बनाएं खूबसूरत !



बदलते मौसम के साथ ही स्किन की खास देखभाल करना और भी जरूरी हो जाता है. स्किन में निखार लाने के लिए क्रीम और सीरम लगाने के अलावा कुछ ऐसे इंग्रेडीएंट्स भी हैं जो आपकी त्वचा को चमकदार और खूबसूरत बना सकते हैं. काया लिमिटेड की प्रमुख मेडिकल सर्विसेज एंड आर एंड डी संगीता वेलासकर ने अपनी खूबसूरती को लेकर विशेष रूप से सजग रहने वाली महिलाओं के लिए कुछ सुझाव दिए हैं.

कोलेजन हमारी कोशिकाओं से निकलने वाले प्रोटीन हैं जो त्वचा को एक साथ जकड़ कर रखने में मददगार होता है. कोलेजन त्वचा में कसाव लाकर जवां लुक देता है. जब हम युवा होते हैं तो हमारी त्वचा मोटी और कोमल होती है लेकिन उम्र बढ़ने के साथ कोलेजन बनना कम हो जाता है, जिसके चलते झुर्रियां पड़ने लगती है और जो कोलेजन मौजूद होते हैं वह भी सूर्य की हानिकारक किरणों के कारण नष्ट हो जाते हैं, इसलिए कोलेजन युक्त उत्पादों का इस्तेमाल करें. इससे आपकी त्वचा में कसाव और चमक आएगी और झुर्रियां और महीन रेखाएं खत्म हो जाएंगी.एसेटिल हेक्सेपेप्टाइड-8 एक प्रकार से न्यूरोपेप्टाइड होता है, जिसका इस्तेमाल मांसपेशियों को आराम देने के लिए किया जाता है.

यह झुर्रियां और महीन रेखाएं भी दूर करता है, इसलिए एसेटिल हेक्सेपेप्टाइड-8 युक्त सौंदर्य उत्पाद का इस्तेमाल करें.शरीर में कोलेजन बनना कम होने से झुर्रियां पड़ने लगती है, जबकि अत्यधिक कोलेजन से त्वचा ढीली होने लगती है.

ऐसे में हायलारोनिक युक्त उत्पाद का प्रयोग त्वचा में एसिड कोलोजन के स्तर को उचित मात्रा में बनाए रखता है और त्वचा में नमी बरकरार रखता है. इससे आपकी त्वचा जवां नजर आती है.ग्लाइकोलिक एसिड गन्ने के रस से निकलता है. यह अल्फा हायड्रॉक्सी समूह के सबसे छोटे अणुओं में से एक है. यह त्वचा में गहराई से समाकर प्रभावकारी असर दिखाता है, ग्लाइकोलिक एसिड युक्त उत्पाद के इस्तेमाल से काले धब्बे, मुंहासे, डलनेस, ऑयलीनेस दूर होता है और आपकी त्वचा पहले से ज्यादा जवां और निखरी नजर आती है.

ललित मोदी बने ब्रिटिश सिटीजन, 2025 में खत्म हुई थी भारतीय नागरिकता

लंदन , एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के संस्थापक ललित मोदी को ब्रिटेन की नागरिकता मिल गई है। भगोड़े ललित मोदी ने शनिवार को जानकारी दी कि उन्होंने 15 सितंबर 2026 को आधिकारिक तौर पर ब्रिटिश नागरिकता प्राप्त कर ली है।

ललित मोदी ने नागरिकता मिलने के बाद ब्रिटेन से ही कुछ तस्वीरें अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की हैं। ब्रिटिश नागरिकता मिलने के बाद ललित मोदी ने यूनाइटेड किंगडम को ही अपना घर बताया है।

ललित मोदी की भारतीय नागरिकता 2025 की शुरुआत में ही खत्म हो गई थी। मार्च 2025 में पैसिफिक आइलैंड देश वानुअतु ने नागरिकता दी थी। लेकिन बाद में वानुअतु के प्रधानमंत्री ने उनका पासपोर्ट कैंसिल करवा दिया था। पीएम ने कहा था कि ललित प्रत्यर्पण से बचने नागरिकता ले रहे हैं। ललित मोदी को मिली ब्रिटेन की नागरिकता भगोड़े ललित मोदी ने शनिवार, 14 नवंबर को ब्रिटेन की नागरिकता मिलने की जानकारी दी। ललित मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, एक



गर्व का पल। एक नया अध्याय। ललित मोदी ने आगे लिखा, आज, 14 नवंबर 2026 को, मुझे ऑक्सफोर्ड यूनियन को संबोधित करने का सौभाग्य मिला, जहां मैंने सबके सामने अपने जीवन के एक बहुत ही खास और व्यक्तिगत पड़ाव के बारे में बताया।

ललित मोदी की पोस्ट से पता चल रहा है कि उन्होंने दो महीने पहले की तस्वीरें पोस्ट की हैं। ललित मोदी ने अपने पोस्ट में बताया, मुझे ब्रिटिश नागरिक होने पर गर्व है। 15 सितंबर 2026 को, अपने परिवार और दोस्तों के बीच, मैंने अपनी ब्रिटिश नागरिकता का जश्न मनाया। यह समारोह हमेशा मेरे दिल के बहुत करीब रहेगा।

ललित मोदी ने आगे लिखा, यूनाइटेड किंगडम कई सालों से मेरा घर रहा है। यह एक ऐसा देश है जिसका मैं बहुत सम्मान करता हूं और जिसे दिल से पसंद करता हूं। यहां के लोग, संस्थाएं, परंपराएं और मूल्य। ललित मोदी ने ब्रिटेन की नागरिकता पर खुशी जताते हुए लिखा, ब्रिटिश नागरिक बनना एक सौभाग्य और एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे मैं गर्व, कृतज्ञता और अपनेपन की सच्ची भावना के साथ अपनाता हूं। ललित मोदी ने लिखा, मेरे जीवन का सफर अलग-अलग संस्कृतियों और अनुभवों से मिलकर बना है और मैं उस देश में सकारात्मक योगदान देना जारी रखने के लिए उत्सुक हूं, जिसे मैं गर्व से अपना घर कहता हूं। ललित मोदी ने आगे लिखा, मेरे परिवार, दोस्तों और इस सफर में साथ देने वाले सभी लोगों का धन्यवाद। साथ ही, इस खबर को साझा करने के लिए इतना यादगार अवसर देने के लिए ऑक्सफोर्ड यूनियन का भी शुक्रिया। ललित मोदी ने 14 नवंबर को ही इस बात की जानकारी क्यों दी, इस बारे में बताते हुए लिखा, एक नया अध्याय, जिसमें आगे देखने के लिए बहुत कुछ है और महामहिम किंग चार्ल्स तृतीय के जन्मदिन पर, इस पल को साझा करना इसे और भी खास बनाता है।

संक्षिप्त समाचार

इटली ने मेटा पर लगाया 887 मिलियन डॉलर का जुर्माना, 60 दिन में फीचर बंद करने का दिया आदेश

रोम, एजेंसी। इटली की डेटा सुरक्षा एजेंसी ने शनिवार को मेटा प्लेटफॉर्म्स पर 805 मिलियन



यूरो (लगभग 887 मिलियन डॉलर) का जुर्माना लगाया। एजेंसी के अनुसार यह कार्रवाई उन आरोपों के बाद की गई है, जिनमें कहा गया था कि कंपनी ने एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं की सहमति या जानकारी के बिना उनकी फोटो और वीडियो तक पहुंच बनाई। अथॉरिटी ने एक बयान में बताया कि मेटा ने फेसबुक ऐप के एक खास फीचर के जरिए इन फोटो और वीडियो तक पहुंच बनाई थी, जिसका कथित उद्देश्य उपयोगकर्ताओं की पर्सनल गैलरी से कंटेंट को पोस्ट करने के लिए सुझाना था। एजेंसी ने मेटा को 60 दिनों का समय दिया है कि वह इस फीचर को डिफ़ॉल्ट रूप से बंद करे और उपयोगकर्ताओं से स्पष्ट सहमति ले। इस मामले पर मेटा की ओर से अभी तक कोई टिप्पणी नहीं आई है। अथॉरिटी ने स्पष्ट किया कि 2025 में शुरू हुई यह जांच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल को ट्रेन करने के लिए कंटेंट के इस्तेमाल से जुड़ी नहीं थी—एक ऐसा दावा जिसे मेटा ने खारिज कर दिया है। हालांकि, एजेंसी ने 2026 में लॉन्च किए गए एक नए फीचर की अलग से जांच करने का अधिकार अपने पास सुरक्षित रखा है, जो गैलरी के कंटेंट को क्लाउड पर प्रोसेस करने की सुविधा देता है।

मृत्युदंड पर रोक लगाने की मांग से भारत ने बनाई दूरी, यूएन में प्रस्ताव के खिलाफ किया मतदान

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में मृत्युदंड पर रोक लगाने की मांग

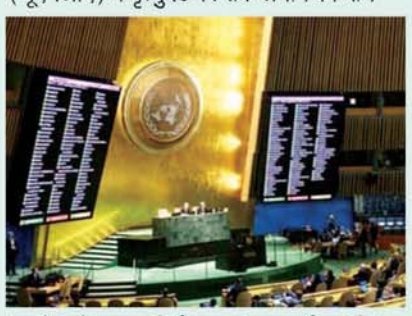

करने वाले प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया है। इस प्रस्ताव में सभी देशों से मृत्युदंड के इस्तेमाल पर रोक लगाने और इसे समाप्त करने की दिशा में कदम उठाने की अपील की गई थी। शुक्रवार को 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा में मतदान के बाद यह प्रस्ताव पारित हो गया। मैक्सिको की ओर से पेश किए गए मृत्युदंड के इस्तेमाल पर रोक प्रस्ताव के पक्ष में 133 देशों ने मतदान किया, जबकि 33 देशों ने इसके विरोध में वोट दिया। वहीं, 16 देश मतदान से अनुपस्थित रहे। बहरीन, चीन, मिस्र, ईरान, इराक, जापान, कुवैत, मालदीव, ओमान, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब और अमेरिका सहित भारत ने प्रस्ताव के विरोध में मतदान किया। प्रस्ताव में मृत्युदंड के लगातार इस्तेमाल पर गहरी चिंता जताई गई। साथ ही सभी देशों के इस अधिकार को दोहराया गया कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप अपनी कानूनी व्यवस्था और उचित दंड तय कर सकते हैं। प्रस्ताव में सभी देशों से मृत्युदंड पर रोक लगाने का आग्रह किया गया, ताकि भविष्य में इसे पूरी तरह समाप्त किया जा सके। इसके अलावा, जिन देशों ने मृत्युदंड खत्म कर दिया है, उनसे इसे दोबारा लागू नहीं करने की अपील की गई। प्रस्ताव में कहा गया कि दुनियाभर में मृत्युदंड के इस्तेमाल को सीमित करने का रुझान बढ़ने के बावजूद वर्ष 2025 में फांसी दिए जाने की दर्ज घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसे लेकर गहरी चिंता जताई गई। इसमें सभी देशों से धीरे-धीरे मृत्युदंड के इस्तेमाल को सीमित करने की अपील भी की गई। प्रस्ताव में कहा गया कि 18 वर्ष से कम उम्र में अपराध करने वाले व्यक्तियों को मृत्युदंड नहीं दिया जाना चाहिए। साथ ही ऐसे मामलों में भी फांसी की सजा नहीं देने की अपील की गई, जहां अपराध के समय आरोपी की उम्र 18 वर्ष से अधिक होने की पुष्टि सटीक रूप से नहीं की जा सकती। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं, मानसिक या बौद्धिक दिव्यांगता से प्रभावित व्यक्तियों और बुजुर्गों को मृत्युदंड देने पर रोक लगाने की अपील की गई।

मैं चाहता हूं कि तुम मर जाओ, भारतीय मूल के एनवीडिया वीपी पर भड़के जेनसन हुआंग

वाशिंगटन, एजेंसी। एनवीडिया के पूर्व सीइओ जेनसन हुआंग चीन की जासूस के साथ अफेयर को लेकर चर्चा में हैं। जेनसन हुआंग की एक कूल और बिंदास अंदाज वाले बॉस की छवि थी, लेकिन अब सच्चाई कुछ और ही सामने आ रही है।

न्यूयॉर्क पोस्ट को अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि भले ही बाहर से वे एक शांत और सहज इंसान लगते थे, लेकिन कंपनी के अंदर का माहौल बहुत तनावपूर्ण रहता था।

रिपोर्ट के मुताबिक, एनवीडिया के पूर्व सीइओ जेनसन हुआंग अक्सर कर्मचारियों के साथ बहुत बुरा बर्ताव करते थे और उन्हें अपशब्द कहते थे। एक बार तो उन्होंने ऑफिस में गुस्से में आकर एक सीनियर अधिकारी की तरफ पानी की बोतल भी फेंक दी थी।

एनवीडिया के पूर्व सीइओ जेनसन हुआंग ने पिछले साल फरवरी में 30 से ज्यादा कंपनी अधिकारियों के साथ एक बंद कमरे की मीटिंग की थी। इस मीटिंग में हुआंग ने भारतीय मूल के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट जे पुरी पर काफी

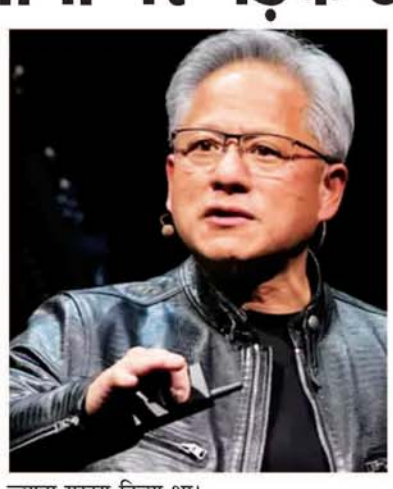

ज्यादा गुस्सा किया था।

इस घटना की जानकारी रखने वाले एक सूत्र के मुताबिक, जेनसन हुआंग ने वर्ल्डवाइड फील्ड ऑपरेशन्स के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट जे पुरी पर गुस्सा करते हुए कहा था, मैं चाहता हूं कि तुम्हें फ्लू हो जाए और तुम्हारी हालत और खराब हो जाए। मैं चाहता हूं कि तुम मर जाओ और हम सबको इस मुसीबत से छुटकारा दिला दो। सूत्र ने बताया कि हालांकि जेनसन हुआंग का चिल्लाना आम बात थी, लेकिन उनकी इस टिप्पणी ने वहां मौजूद सभी लोगों को हैरान और चुप कर दिया था।

एक अन्य मौके पर, जेनसन हुआंग ने एक सीनियर लीडर को मीटिंग से बाहर निकाल दिया था, जबकि यह उस अधिकारी की हुआंग के साथ पहली ही मीटिंग थी। हुआंग चिल्लाए, क्या तुम मुझ पर हंस रहे हो? मुझे यहां बस मुर्दा चेहरे दिख रहे हैं, बाहर निकलो!

कंपनी के अंदर के लोगों ने कैलिफोर्निया के सांता क्लारा में स्थित एनवीडिया के मुख्यालय की एक घटना का भी जिक्र किया, जहां हुआंग ने एक मीटिंग के दौरान एक टॉप एग्जीक्यूटिव की तरफ पानी की बोतल फेंक दी थी।

न्यूयॉर्क टाइम्स के एक लेख में इस हफ्ते छपे द थिंकिंग मशीन के लेखक स्टीफन विट ने लिखा है कि हुआंग का विनम्र सार्वजनिक व्यवहार असल में उनके अहंकार को छिपाने का एक तरीका था।

लंदन में हलाल फूड न परोसने पर भारतीय रेस्तरां के बाहर हंगामा

लंदन , एजेंसी। लंदन के एक भारतीय रेस्तरां में शुक्रवार को उस वक्त अजीब सी स्थिति बन गई जब उसके बाहर लोग खड़ा होकर प्रदर्शन करने लगे। लोग रेस्तरां बंद करने की मांग कर रहे थे।

मामला है पश्चिम लंदन का। यहां पर भारतीय रेस्तरां ने हलाल खाना बेचने से इनकार किया तो कुछ लोगों को ये पसंद नहीं आया। वो लोग रेस्तरां को बंद करने की मांग के साथ उसको बंद करने की मांग कर प्रदर्शन करने लगे।

हालात खराब होते देख कर पुलिस को बुलाना पड़ा। भीड़ को दूर रखने के लिए पुलिसकर्मियों ने रेस्तरां के बाहर एक कतार बना ली। हैमरस्मिथ में स्थित इस रेस्तरां का नाम सिंह्स डाइनिंग है (जिसे पहले रंगरेज़ के नाम से जाना जाता था)। इस होटल का मालिकाना हक हरमन सिंह कपूर के पास हैं। डेली मेल की एक रिपोर्ट के अनुसार, रेस्तरां के बाहर निजी सुरक्षा गार्ड भी तैनात किए गए थे। बताया जा रहा है कि इन्हें अभिनेता जॉन क्लीज़ ने काम पर रखा था, जिन्होंने पहले भी इस रेस्तरां का समर्थन किया है। इस घटना के बाद से रेस्तरां के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वायरल वीडियो में प्रदर्शनकारी फिलिस्तीन के झंडे लहराते और अल्लाहु अकबर, शेम ऑन यू (शर्म



करो) और फ्री फिलिस्तीन जैसे नारे लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। रेस्तरां के सामने एक बोर्ड भी लगा है, जिस पर लिखा है- हमें गर्व है कि हम हलाल नहीं बेचते। इस विवाद के बाद रेस्तरां मालिक को जान से मारने की धमकी मिल रही है। उनके परिवार को भी इसी तरह की धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि इस विवाद से उनके कारोबार को आर्थिक नुकसान पहुंचा है।

मैंने ही रची थी पन्नू को मारने की साजिश, अमेरिकी जज को लिखे पत्र में भारतीय मूल के निखिल गुप्ता ने मांगी माफी



वाशिंगटन , एजेंसी। भारतीय मूल के निखिल गुप्ता पर अमेरिका में हत्या के प्रयास के मामले में मुकदमा चल रहा है। इस मामले में निखिल गुप्ता को 20 नवंबर को सजा सुनाई जाएगी। सजा के एलान से पहले निखिल गुप्ता ने अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज विक्टर मारेरो को एक पत्र लिखकर माफी मांगी है और अपने अपराध पर पछतावा जताया है। निखिल गुप्ता ने अमेरिकी जज को लिखे अपने पत्र में गिरफ्तारी के बाद की मानसिक उथल-पुथल के बारे में भी बताया। उसने स्वीकार किया कि 2023 की शुरुआत में वह जो इंसान बन गया था, उसे खुद भी पहचान नहीं पा रहा था। निखिल गुप्ता ने पत्र में लिखा, मेरा मानसिक संतुलन बिगड़ गया था... काश मैं समय को पीछे ले जाकर 2023 में अपनी गलतियों को सुधार पाता। निखिल गुप्ता ने लिखा, उस समय मेरे सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने परिवार से संपर्क करने की थी, ताकि उन्हें बता सकूं कि मैं जिंदा हूं और उन्हें हालात की जानकारी दे सकूं। लेकिन, अमेरिकी कानून तोड़ने वाले के रूप में मुझ पर लगी कई पाबंदियों की वजह से मैं कई हफ्तों तक ऐसा नहीं कर सका... जज को लिखे अपने पत्र के अंत में, निखिल गुप्ता ने कहा कि अदालत जो भी फैसला सुनाएगी, वह उसे स्वीकार करेगा। निखिल ने इस पत्र में यह भी बताया कि कैसे अत्यधिक शराब पीने और निजी संघर्षों के कारण उसकी सोचने-समझने की क्षमता प्रभावित हो गई थी। उसने खुलासा किया कि हिरासत के शुरुआती दिनों में उसे आत्महत्या के गंभीर विचार आते थे। उसे लगातार इस बात की चिंता सताती थी कि उसने अपनी पत्नी, बच्चों, मां, परिवार और अपनी दो बिल्लियों को कितना गहरा दुख पहुंचाया है। 20 नवंबर को होने वाली सजा की सुनवाई से पहले कई महत्वपूर्ण कानूनी दस्तावेज दाखिल किए गए हैं। हाल ही में, संघीय अभियोजकों ने अदालत से अनुरोध किया।

मजाक-मजाक में मर्यादा भूले ऑस्ट्रेलियाई पीएम, मंत्री को दिया आपत्तिजनक जवाब

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन के दौरान ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और उनके जलवायु मंत्री क्रिस बोवेन के बीच हुई बातचीत कैमरे में कैद हो गई। हॉट-माइक (गलती से चालू रह गए माइक्रोफोन) पर रिकॉर्ड हुई इस बातचीत में प्रधानमंत्री ने मंत्री को मोबाइल फोन दिल के करीब रखने से बचने की सलाह दी। हालांकि, बातचीत ने तब दिलचस्प मोड़ ले लिया, जब मोबाइल फोन को शरीर के दूसरे अंगों से दूर रखने को लेकर चर्चा शुरू हो गई। यह बातचीत 31वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के दौरान एक ब्रेक के समय हुई। दोनों नेता मोबाइल फोन को शरीर के अलग-अलग हिस्सों के पास रखने से होने वाले संभावित स्वास्थ्य प्रभावों पर बात कर रहे थे। आरटी की ओर से साझा किए गए वीडियो में दोनों के बीच हुई यह बातचीत सुनाई दे रही है।

फोन को दिल के पास रखने से क्यों मना किया?: बातचीत की शुरुआत प्रधानमंत्री अल्बनीज ने जलवायु मंत्री क्रिस बोवेन से यह पूछकर की कि क्या वह दाएं हाथ से काम करते हैं। बोवेन के हां कहने पर अल्बनीज ने पूछा कि क्या वह अपना मोबाइल फोन ब्लेजर की बाईं छाती वाली जेब में रखते हैं। मंत्री ने बताया कि वह आमतौर पर ऐसा ही करते हैं।

इस पर प्रधानमंत्री ने उन्हें ऐसा न करने की सलाह दी। जब बोवेन ने पूछा कि क्या उन्हें फोन दूसरी तरफ की जेब में रखना चाहिए, तो अल्बनीज ने कहा कि मोबाइल को दिल से दूर रखना चाहिए। उन्होंने इसके पीछे फोन से निकलने वाले सिग्नल और हृदय की



धड़कन पर उनके संभावित प्रभाव का हवाला दिया। अल्बनीज ने कहा, इसे यहां रखो, दिल से दूर। क्योंकि यह संदेश भेजता रहता है। यह हृदय की गति को प्रभावित कर सकता है। इस पर बोवेन ने मजाकिया अंदाज में मोबाइल फोन से निकलने वाले रेडिएशन को थोड़ा रेडियोएक्टिव बताया। प्रधानमंत्री ने भी उनकी बात से सहमति जताते हुए कहा कि यह बात बिल्कुल समझ में आती है।

प्राइवेट पार्ट को लेकर करने लगे मजाक: इसके बाद बातचीत ने अचानक हास्यपूर्ण मोड़ ले लिया। बोवेन ने कहा कि वह व्यक्तिगत तौर पर मोबाइल फोन को पैंट की जेब में रखने को लेकर ज्यादा चिंतित रहते हैं। उन्होंने बताया कि अब उन्होंने फोन को पैंट की जेब में रखना बंद कर दिया है। इस पर अल्बनीज ने मजाकिया अंदाज में पूछा, क्या अपने प्राइवेट पार्ट की वजह से? बोवेन ने जवाब दिया, हां, यह काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ मायनों में यह दिल से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। दोनों नेताओं के बीच हुई यह बेबाक बातचीत आरटी की ओर से साझा किए गए वीडियो के बाद चर्चा में आ गई। अंतरराष्ट्रीय जलवायु सम्मेलन जैसे गंभीर मंच पर प्रधानमंत्री और उनके मंत्री के बीच इस तरह की अनौपचारिक बातचीत ने लोगों का ध्यान खींचा।

मोबाइल रेडिएशन और शुक्राणुओं की गुणवत्ता पर क्या कहती है स्टडी: मोबाइल फोन से निकलने वाले इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन और पुरुषों की प्रजनन क्षमता के बीच संभावित संबंध को लेकर पहले भी अध्ययन किए गए हैं। अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के माध्यम से उपलब्ध 2014 के एक अध्ययन में सीधे मोबाइल फोन रेडिएशन के संपर्क का शुक्राणुओं की गुणवत्ता पर प्रभाव जांचा गया था।

अध्ययन में रेडिएशन के संपर्क में आए समूह और संपर्क में नहीं आए समूह की तुलना की गई। इसमें रेडिएशन के संपर्क वाले समूह में शुक्राणुओं की आगे बढ़ने की क्षमता (प्रोग्रेसिव मोटिलिटी) कम और डीएनए फ्रैगमेंटेशन अधिक पाया गया। अध्ययन के निष्कर्षों में मोबाइल फोन रेडिएशन के संपर्क, शुक्राणुओं के डीएनए में टूट-फूट और उनकी गतिशीलता में कमी के बीच संबंध की बात कही गई।

सात समंदर पार भी छठ की धूम: भारत न लौट सके तो अमेरिका को ही बना दिया बिहार, विदेशी धरती पर सजा लिए देसी घाट

न्यूयार्क, एजेंसी। सात समंदर पार अमेरिका में भी छठ महापर्व की रौनक देखने को मिल रही है। भारत से दूर रहने वाले प्रवासी भारतीय अपनी परंपराओं और संस्कृति को सहेजने के लिए पूरे उत्साह से इस पर्व को मना रहे हैं। जो परिवार छठ के अवसर पर भारत नहीं पहुंच सके, उन्होंने अमेरिका में ही घाट सजाकर सूर्य उपासना की तैयारियां शुरू कर दी हैं। न्यूयॉर्क और ह्यूस्टन समेत कई शहरों में छठ की तैयारियों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। न्यूयॉर्क सिटी में रहने वाली निधि मिश्रा ने अपने इंस्टाग्राम खाते ञनिधि मिश्रा सिंग्सयु से एक वीडियो साझा किया है। इसमें अमेरिका के एक नदी या जलाशय के किनारे छठ घाट सजाया गया दिखाई दे रहा है। घाट पर रंग-बिरंगे झंडे लगाए गए हैं और जमीन पर सजावट के लिए पत्नियां बिछाई गई हैं। ठंड



के मौसम के बावजूद लोग गर्म कपड़े पहनकर पूजा की तैयारियों में जुटे दिखाई दे रहे हैं।

निधि ने वीडियो के साथ लिखा, अमेरिका की धरती पर बिहार की मिट्टी की खुशबू। वीडियो देखकर महसूस होता है कि हजारों किलोमीटर की दूरी भी लोगों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से अलग नहीं कर पाई है। टेक्सास के ह्यूस्टन में भी छठ महापर्व को लेकर जोरदार तैयारियां की जा रही हैं। रोजनबर्ग स्थित जगन्नाथ हिंदू मंदिर में भारतीय समुदाय के लोग मिलकर घाट की सफाई और सजावट कर रहे हैं। कंटेंट क्रिएटर ऋचा मिश्रा के वीडियो में महिलाएं और पुरुष एक साथ सफाई करते, केले के पत्ते काटते और रोशनी की व्यवस्था करते दिखाई दे रहे हैं। यहां छठ ह्यूस्टन दिस वे जैसे संकेतक भी लगाए गए हैं।छठ ह्यूस्टन की वेबसाइट के मुताबिक, इस साल 60 से अधिक परिवारों ने आयोजन के लिए पंजीकरण कराया है। पूजा का कार्यक्रम पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार रखा गया है। बाद सोशल मीडिया पर लोग अपनी भावनाएं जाहिर कर रहे हैं। किसी ने भारतीय संस्कृति पर गर्व जताया तो किसी ने लिखा कि सात समंदर पार भी परंपराएं जीवित हैं। कई लोगों का कहना है कि विदेश में रहने वाले परिवारों के लिए ऐसे सामूहिक आयोजन बच्चों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का अच्छा माध्यम हैं। प्रवासी भारतीयों ने यह भी बताया कि भारत नहीं पहुंच पाने का अफसोस जरूर है, लेकिन अमेरिका में ही घाट सजाकर और पूरे विधि-विधान से पूजा करके उन्हें अपने घर और मिट्टी से जुड़े रहने का एहसास मिलता है। पूजा के लिए महिलाएं पारंपरिक साड़ियों में और पुरुष पारंपरिक परिधानों में नजर आ रहे हैं।

आसमान में उड़ने से पहले जमीन पर टकराए दो विमान, यात्रियों में मचा हड़कंप

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में मियामी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार रात एक बड़ा विमान हादसा होते-होते टल गया। यहां दो विमान एक ही रनवे के जंक्शन पर पहुंच गए और आपस में टकरा गए। इनमें एक यूपीएस का बोइंग 767 कार्गो विमान था, जबकि दूसरा कोपा एयरलाइंस का बोइंग 737 यात्री विमान था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक विमान का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि दूसरे के विंग को नुकसान पहुंचा। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी यात्री या चालक दल के सदस्य के घायल होने की खबर नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना शनिवार (14 नवंबर) रात करीब 9:15 बजे की है। मियामी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के कम्युनिकेशंस डायरेक्टर ग्रेग चिन ने बताया कि यूपीएस का बोइंग 767 कार्गो विमान और कोपा एयरलाइंस का बोइंग 737 यात्री विमान एक ही समय पर रनवे के जंक्शन यानी लिंक टैक्सीवे पर पहुंच गए थे। इसी दौरान दोनों विमानों के बीच टक्कर हो गई। घटना के बाद एयरपोर्ट प्रशासन में अफरा-तफरी मच गई और अधिकारियों ने तुरंत स्थिति को संभालने के लिए कदम उठाए। जानकारी के मुताबिक, कोपा एयरलाइंस के बोइंग 737 यात्री विमान का विंग यूपीएस के बोइंग 767 कार्गो विमान से टकरा गया। इस टक्कर में कार्गो विमान का अगला हिस्सा यानी नोज क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि यात्री विमान के विंग को नुकसान पहुंचा। टक्कर के दौरान विमान में मौजूद यात्रियों को झटके महसूस हुए।

19 साल की मीरा एंड्रीवा ने टेनिस डब्ल्यूटीए फाइनल्स जीता

यूक्रेन की स्वितोलिना को सीधे सेटों में हराया, इनाम में 28 करोड़ और मर्सिडीज मिली

वॉशिंगटन।

रूस की 19 साल की टेनिस खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने रविवार को डब्ल्यूटीए (विमेंस टेनिस एसोसिएशन) फाइनल्स का खिताब जीत लिया। अमेरिका के इंडियन वेल्स में खेले गए फाइनल में उन्होंने यूक्रेन की 32 साल की एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ एंड्रीवा करियर की सर्वश्रेष्ठ वर्ल्ड नंबर-2 रैंकिंग पर पहुंच गई हैं। चैंपियन बनने पर उन्हें 33.7 लाख डॉलर (करीब 28.4 करोड़ रुपए) की इनामी राशि और अल्ट्रावॉयलेट पर्पल रंग की मर्सिडीज-बेंज कन्वर्टिबल कार मिली।

कार की ड्राइविंग सीट पर बैठीं, बोलीं- जल्द लाइसेंस बनवाऊंगी

मैच के बाद मर्सिडीज-बेंज कार को कोर्ट पर लाया गया। एंड्रीवा खुशी-खुशी उसकी ड्राइविंग सीट पर बैठ गईं। हालांकि, 19 साल की इस खिलाड़ी के पास अभी ड्राइविंग लाइसेंस नहीं है। एंड्रीवा ने कहा, यह मेरे लिए जल्द से जल्द ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने का शानदार मोटिवेशन है। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो मेरी टीम में पांच लोग हैं। मैं हमेशा के लिए पैसेंजर प्रिंसेस बनकर रह सकती हूं। यह भी एक विकल्प है।

बिना सेट गंवाए खिताब जीतने वाली 11वीं खिलाड़ी बनीं

एंड्रीवा बिना कोई सेट गंवाए डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब जीतने वाली 11वीं खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले क्रिस एवर्ट, मार्टिना नवरातिलोवा और सेरेना विलियम्स जैसी दिग्गज खिलाड़ी भी यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। इस उपलब्धि पर एंड्रीवा ने कहा, इस खास ग्रुप में अपना नाम शामिल कर मैं खुद को बेहद खुशकिस्मत मानती हूं। अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान एंड्रीवा ने एक खास जैकेट पहनी थी, जिस पर लिखा था- आई वांट टू थैंक माईसेल्फ यानी मैं खुद को धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने कहा कि वे कड़ी मेहनत करने, कभी हार नहीं मानने, खुद पर भरोसा रखने और हर दिन अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए मेहनत करने पर खुद को धन्यवाद देना चाहती हैं।

एंड्रीवा ने आखिरी गेमों में जीत पक्की की

इंडियन वेल्स टेनिस गार्डन के स्टेडियम-2 पर खेला गया फाइनल करीब दो घंटे चला। मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। एंड्रीवा ने आखिरी छह में से पांच गेम जीतकर खिताब अपने नाम किया। दूसरे सेट में स्वितोलिना ने वापसी की कोशिश की, लेकिन आखिरी दो गेम में वे सिर्फ दो पॉइंट ही जीत सकीं। मैच के आखिरी पॉइंट पर उनका स्मैश नेट में उलझ गया और एंड्रीवा चैंपियन बन गईं। जीत के बाद एंड्रीवा ने स्टैंड्स में बैठीं अपनी कोच कोंचिता मार्टिनेज को गले लगा लिया।

मैच से पहले और बाद में दोनों खिलाड़ियों ने नहीं मिलाया हाथ

मुकाबले से पहले दोनों खिलाड़ियों ने साथ में फोटो नहीं खिंचवाई। मैच के बाद भी उन्होंने परंपरा के मुताबिक हाथ नहीं मिलाया। दरअसल, 2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद यूक्रेन टेनिस फेडरेशन ने अपने खिलाड़ियों को रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाने की नीति अपनाने को कहा था।



स्वितोलिना को मिले 12.6 करोड़ रुपए फाइनल में हार के बाद एलिना स्वितोलिना को उपविजेता के तौर पर 15 लाख डॉलर (करीब 12.6 करोड़ रुपए) मिले। पुरस्कार समारोह में उन्होंने यूक्रेन के लोगों का आभार जताया। स्वितोलिना ने कहा, मैं यूक्रेन के लोगों का जितना शुक्रिया अदा करूं, कम है। वे मेरे मैच देखने आए और घर से भी मेरा समर्थन किया। उन्होंने बाद में कहा कि उन्होंने कोर्ट पर अपना सब कुछ दिया, लेकिन एंड्रीवा ने शानदार खेल दिखाया। वहीं, एंड्रीवा ने स्वितोलिना की तारीफ करते हुए कहा, आप एक शानदार मां हैं। मां बनने के बाद वापसी करना और इस स्तर पर खेलना बेहद मुश्किल है। आपने शानदार सीजन खेला है। अगले सीजन के लिए आपको शुभकामनाएं।

2019 के बाद पहली बार फाइनल में पहुंची थीं स्वितोलिना

32 साल की स्वितोलिना 2018 में डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब जीत चुकी हैं। वह 2019 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थीं। बेटी को जन्म देने के बाद उन्होंने टेनिस में वापसी की थी।

डबल्स में सिनियाकोवा-टाउनसेंड की जोड़ी चैंपियन

महिला डबल्स फाइनल में चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा और अमेरिका की टेलर टाउनसेंड की जोड़ी ने इटली की सारा इरानी और जैस्मिन पाओलिनी को 6-4, 6-3 से हराया। सिनियाकोवा और टाउनसेंड की जोड़ी का यह इस साल छठा खिताब है। दोनों फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन भी जीत चुकी हैं। चैंपियन जोड़ी को 6 लाख 75 हजार डॉलर (करीब 5.68 करोड़ रुपए) की इनामी राशि मिली। इसके अलावा दोनों खिलाड़ियों को एक-एक साल के लिए मर्सिडीज-बेंज कार की लीज भी मिली।

आईपीएल रिटेंशन से पहले पाटीदार का विस्फोट, 48 गेंदों में जड़े 135 रन



मध्य प्रदेश। मध्य प्रदेश के कप्तान राजत पाटीदार ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में असम के खिलाफ महज 48 गेंदों में नाबाद 135 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने 13 छक्के और आठ चौके लगाए तथा 41 गेंदों में शतक पूरा किया। इस दौरान वह टूर्नामेंट के इतिहास में मध्य प्रदेश के लिए शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने और एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने का नया राज्य रिकॉर्ड भी बनाया। मध्य प्रदेश के कप्तान और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज राजत पाटीदार ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए इतिहास रच दिया। सोमवार को असम के खिलाफ खेले गए मुकाबले में पाटीदार ने महज 48 गेंदों में नाबाद 135 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनकी इस पारी की बदौलत मध्य प्रदेश ने निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 250 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पाटीदार ने अपनी इस पारी में 13 छक्के और आठ चौके लगाए। उन्होंने महज 41 गेंदों में अपना शतक पूरा कर लिया। इसके साथ ही वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के इतिहास में मध्य प्रदेश की ओर से शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। इतना ही नहीं, एक पारी में 13 छक्के लगाकर उन्होंने मध्य प्रदेश के लिए नया रिकॉर्ड भी कायम किया।

57 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद संभाली पारी

मध्य प्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने आठवें ओवर तक 57 रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिए थे। ऐसे मुश्किल समय में बल्लेबाजी करने उतरे राजत पाटीदार ने संभलकर खेलने के बजाय आक्रामक रुख अपनाया और असम के गेंदबाजों पर हमला बोल दिया। इस दौरान उन्हें शिवांग कुमार का अच्छा साथ मिला। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने आए शिवांग और पाटीदार के बीच महज 62 गेंदों में 153 रनों की साझेदारी हुई। यह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मध्य प्रदेश की ओर से दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। पाटीदार की बल्लेबाजी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है।

आर वैशाली से हारकर अर्जुन एरिगेसी खिताबी दौड़ से बाहर

बुडापेस्ट।

भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी को टोटल चेस विश्व चैंपियनशिप टूर पायलट टूर्नामेंट के फास्ट क्लासिक ग्रुप चरण के अंतिम मुकाबले में हमवतन आर वैशाली के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा जिससे वह यहां खिताबी नॉकआउट चरण में जगह बनाने से चूक गए। एरिगेसी ने दिन की शुरुआत ग्रुप डी में मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव और हेन्स नीमन के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर रहते हुए की थी। दिन की पहली बाजी में उन्होंने सफेद मोहरों से खेलते हुए वैशाली को हराकर चैंपियनशिप के नॉकआउट चरण में प्रवेश की अपनी दावेदारी मजबूत की। इस जीत से उन्होंने दो अंक की बढ़त बना ली थी। हालांकि वैशाली ने दूसरे मुकाबले में एरिगेसी को हरा दिया। इस हार के कारण एरिगेसी ग्रुप डी में तीसरे स्थान पर रहे जबकि वाचियर-लाग्रेव ने खिताबी नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई किया। अगले साल महिला



विश्व चैंपियनशिप में चीन की जू वेनजुन को चुनौती देने वाली वैशाली ग्रुप डी में दो जीत, एक ड्रॉ और सात हार के साथ अंतिम स्थान पर रहीं। इस तरह तीनों भारतीय खिलाड़ी एरिगेसी, वैशाली और उनके भाई आर प्रज्ञानानंदा खिताब की दौड़ से बाहर हो गए हैं। अब वे क्वालीफिकेशन स्थानों के लिए मुकाबले खेलेंगे।

प्रज्ञानानंदा ने ग्रुप बी में वियतनाम के ग्रैंडमास्टर लीम ले के खिलाफ दोनों मुकाबले ड्रॉ खेले और अंतिम स्थान पर रहे। भारतीय ग्रैंडमास्टर ने सात मुकाबले ड्रॉ खेले जबकि तीन में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानानंदा और वैशाली अब क्रमशः नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और अभिमन्यु मिश्रा के खिलाफ नॉकआउट छह में खेलेंगे। वहीं ग्रुप चरण का समापन चार जीत, चार ड्रॉ और दो हार के साथ करने वाले एरिगेसी नॉकआउट तीन में जोर्डेन वान फॉरेस्ट का सामना करेंगे। फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा, अमेरिका के ग्रैंडमास्टर फाबियानो करुआना, नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीश गिरी और फ्रांस के वाचियेर लाग्रेव ने खिताबी नॉकआउट चरण में जगह बनाई। फिरोजा ने ग्रुप ए में लेवोन अरोनियन के खिलाफ दोनों मुकाबले ड्रॉ खेलकर शीर्ष स्थान हासिल किया। उनके 15 अंक रहे। गिरी ने ग्रुप सी में शखरियार मामेदयारोव के खिलाफ अपने दोनों मुकाबले ड्रॉ खेले। वह 15 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल करने में सफल रहे।

पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ग्रुप चरण में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सके। उन्होंने रविवार को इयान नेपोमनियाची के खिलाफ अपने दोनों मुकाबले ड्रॉ खेले।

लाओस के विंटाइन में एक मैराथन रेस में भाग लेते हुए प्रतियोगी।



बेल्जियम के लुकाकू ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास लिया

16 साल का करियर रहा, 135 मैच में सबसे ज्यादा 94 गोल किए

बेल्जियम।

बेल्जियम के स्ट्राइकर रोमेलु लुकाकू ने 33 साल की उम्र में इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। उन्होंने सोमवार को इंस्टाग्राम पर ऐलान किया। लुकाकू ने बेल्जियम के लिए 16 साल के करियर में 135 मैच खेले और रिकॉर्ड 94 गोल किए। वह देश के सबसे ज्यादा गोल करने वाले फुटबॉलर हैं। पुरुषों के इंटरनेशनल फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल करने वालों में वह 5वें नंबर पर हैं। लुकाकू ने लिखा कि उन्होंने राष्ट्रीय टीम के साथ हर तरह का भाव महसूस किया। उन्होंने अपने साथियों, कोच और बेल्जियम के समर्थकों का शुक्रिया अदा किया।

4 वर्ल्ड कप और 3 यूरोपियन चैंपियनशिप में खेले



लुकाकू ने बेल्जियम के लिए 16 साल की उम्र में डेब्यू किया था। उन्होंने देश की ओर से 4 फीफा वर्ल्ड कप और 3 यूरोपियन चैंपियनशिप में हिस्सा लिया। वह बेल्जियम की उस टीम का हिस्सा रहे, जिसे फुटबॉल की गोल्डन जनरेशन कहा गया। लुकाकू ने मार्च 2010 में क्रोएशिया के खिलाफ डेब्यू किया था। उस मैच में बेल्जियम को 1-0 से हार मिली थी। 16 साल, 9 महीने और 18 दिन की उम्र में वह बेल्जियम के इतिहास में तीसरे सबसे कम उम्र के डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बने थे। उन्होंने अपना पहला इंटरनेशनल गोल 17 नवंबर 2010 को रूस के खिलाफ 2-0 की जीत में किया था।

वर्टोंगन के साथ सबसे ज्यादा समय मैदान पर बिताया

बेल्जियम के लिए खेलते हुए लुकाकू ने सबसे ज्यादा समय डिफेंडर जान वर्टोंगन के साथ मैदान पर बिताया। दोनों ने साथ में 6,110 मिनट खेले। इस सूची में टोबी एल्डरवायरल्ड दूसरे और गोलकीपर थिबो कोर्टुआ तीसरे नंबर पर हैं।

क्लब फुटबॉल खेलते रहेंगे लुकाकू

लुकाकू क्लब फुटबॉल खेलते रहेंगे। वह फिलहाल तुर्किये के क्लब फेनरबाहचे से खेल रहे हैं। पिछले साल वह नेपोली से इस क्लब में आए थे।



जय शाह दूसरी बार आईसीसी चेयरमैन बने

बाली। जय शाह एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) चेयरमैन चुने गये हैं। इंडोनेशिया के बाली में आयोजित आईसीसी बोर्ड कमेटी की बैठकों में जय शाह को दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध चुना गया। शाह ने दोबारा अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपने पर बोर्ड का आभार जताते हुए कहा है कि उनका लक्ष्य दुनिया भर में क्रिकेट का विस्तार करने के साथ ही 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में खेल की वापसी रहेगा। गौरतलब है कि यह लगातार दूसरा अवसर है जब जय शाह को बिना किसी विरोध के इस प्रतिष्ठित पद के लिए चुना गया है। ये आईसीसी बोर्ड के उनके नेतृत्व में गहरे विश्वास को दिखाता है। आईसीसी की ओर से जारी घोषणा में बताया गया कि बोर्ड के सभी निदेशकों ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा और उनके अब तक के कार्यों पर भरोसा जताते हुए उन्हें अगले कार्यकाल के लिए स्वीकृति दी। बोर्ड के सदस्यों ने इस बात पर भी जोर दिया कि क्रिकेट वर्तमान में वैश्विक स्तर पर अपने विस्तार के एक अहम दौर से गुजर रहा है, और ऐसे समय में शाह का अनुभव और दूरदर्शिता संस्था के भविष्य लिए मूल्यवान साबित होगी। अपनी दोबारा नियुक्ति पर, शाह ने आईसीसी बोर्ड और सभी सदस्य देशों का हार्दिक धन्यवाद किया। उन्होंने कहा, आईसीसी बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं सभी निदेशकों का उनके निरंतर विश्वास और समर्थन के लिए दिल से आभार व्यक्त करता हूं।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 में सॉफ्टबॉल प्रतिस्पर्धी, सेलिंग प्रदर्शन खेल के तौर पर शामिल

नई दिल्ली। तेलंगाना में खेले जाने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 में पहली बार सॉफ्टबॉल को भी शामिल किया जाएगा। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 11 से 22 दिसंबर तक खेले जाएंगे। इस संस्करण में सेलिंग को भी प्रदर्शन खेल के तौर पर जगह मिली है। 12 दिनों तक चलने वाले इस खेल आयोजन में देशभर के कोने-कोने से लगभग 6000 युवा खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इन खिलाड़ियों के साथ करीब 1800 सपोर्ट स्टाफ भी आयोजन का अभिन्न हिस्सा होंगे, जो खेलों को सुचारु रूप से संपन्न कराने में अहम भूमिका निभाएंगे। इस संस्करण की एक प्रमुख विशेषता सॉफ्टबॉल का प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में पदार्पण है। इसे अब पदक के लिए होने वाली स्पर्धाओं में शामिल किया जाएगा, जिससे इस खेल के प्रति युवाओं में रुचि बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, सेलिंग को एक प्रदर्शन खेल के तौर पर शामिल किया गया है। जिससे भविष्य में उसके भी पूर्ण प्रतिस्पर्धी खेल बनने की राह बनी है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 में कुल 27 प्रतिस्पर्धी खेल शामिल किए गए हैं, जो युवा एथलीटों को अपनी विशिष्ट क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए विविध मंच प्रदान करेंगे। इन खेलों में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, साइकिलिंग, फेंसिंग, फुटबॉल, गतका, जिम्नास्टिक, हॉकी, जूडो, कबड्डी, कलारीपयट्टु, खो-खो, मल्लखंब, रोइंग, शूटिंग, स्विमिंग, सॉफ्टबॉल, टेबल टेनिस, टेनिस, थांग-टा, वॉलीबॉल, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती और योगासन शामिल हैं।

सिनियाकोवा-टाउनसेंड की जोड़ी ने पहली बार जीता डब्यलूटीए फाइनल्स खिताब

एरानी और जैस्मीन की जोड़ी को खिताबी मुकाबले में हराया



इंडियन वेल्स।

चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा और अमेरिका की टेलर टाउनसेंड की जोड़ी ने पहली बार डब्लयूटीए फाइनल्स का खिताब जीता है। इस जोड़ी ने फाइनल मुकाबले में इटली की सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराने के साथ ही खिताब पर कब्जा किया। खिताबी मुकाबले में सिनियाकोवा और टाउनसेंड शुरुआत से ही हावी रहीं। उन्होंने कोर्ट पर बेहतरीन तालमेल और शक्तिशाली शॉट्स का प्रदर्शन करते हुए इटली की जोड़ी को कोई अवसर नहीं दिया। पहले सेट में जहां उन्होंने अपनी सर्विस और रिटर्न्स की बदौलत 6-4 से जीत दर्ज की, वहीं दूसरे सेट में भी उन्होंने अपनी गति को बनाए रखा और 6-3 के स्कोर के साथ मैच पर कब्जा कर लिया। इन दोनो के साथ प्रदर्शन से विरोध जोड़ी को वापसी का कोई अवसर नहीं मिला। यह जीत टेलर टाउनसेंड के लिए उनके करियर का पहला डब्लयूटीए फाइनल्स खिताब है। वहीं, अनुभवी सिनियाकोवा ने दूसरी बार यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती है। इससे पहले उन्होंने साल 2021 में अपनी पूर्व जोड़ीदार बारबोरा क्रेजिकोवा के साथ मिलकर यह खिताब जीता था। गौरतलब है कि सिनियाकोवा और टाउनसेंड की जोड़ी लगातार तीसरे साल डब्लयूटीए फाइनल्स में पहुंची थी, जो इस टूर्नामेंट में उनकी निरंतर उपस्थिति और क्षमता का प्रमाण है। पिछले सत्र में, उन्होंने उपविजेता के रूप में टूर्नामेंट का समापन किया था, और उससे पहले सेमीफाइनल तक का सफर तय करने में सफल रही थीं।

सैफ चैंपियनशिप: खिताबी मुकाबले में भारत के सामने पाकिस्तान की चुनौती, टीम इंडिया की नजर 10वीं ट्रॉफी पर

ढाका।

गत विजेता भारत की नजरें एक बार फिर सैफ चैंपियनशिप का खिताब जीतने पर हैं। मंगलवार को होने वाले फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम का सामना पाकिस्तान से होगा। भारत की कोशिश रिकॉर्ड 10वीं बार खिताब जीतने के साथ लगातार तीसरी बार चैंपियन बनने की होगी। वहीं, पाकिस्तान की टीम पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है और वह अपना ऐतिहासिक सफर खिताबी जीत के साथ खत्म करना चाहेगी।

नौ बार खिताब जीत चुका भारत

भारत ने अब तक सैफ चैंपियनशिप में रिकॉर्ड नौ बार खिताब जीता है। टीम ने 1993, 1997, 1999, 2005, 2009, 2011, 2015, 2021 और 2023 में ट्रॉफी अपने नाम की थी। खास बात यह है कि इस बार भारत दूसरे दर्जे की टीम के साथ टूर्नामेंट में उतरा है, इसके बावजूद वह खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

पहली बार फाइनल में पहुंचा पाकिस्तान

- दूसरी ओर, पाकिस्तान के लिए यह टूर्नामेंट अब तक यादगार रहा है। टीम इससे पहले चार बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी, लेकिन कभी फाइनल में जगह नहीं बना सकी। साल 2018 में भी पाकिस्तान सेमीफाइनल तक पहुंचा था। इस बार उसने शनिवार को मेजबान बांग्लादेश को 1-0 से हराकर पहली बार फाइनल में प्रवेश किया।
- भारत के मुख्य कोच नौशाद मूसा ने फाइनल में पहुंचने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के सामूहिक प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि टीम ने पूरे टूर्नामेंट में मुश्किल परिस्थितियों में अच्छा चरित्र और जुझारूपन दिखाया है।
- मूसा ने कहा, रास्ते में हमें कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन खिलाड़ियों ने धैर्य, जुझारूपन और प्रतिस्पर्धा करने की मजबूत इच्छा दिखाई। हर मुकाबला सीखने और सुधार करने का मौका रहा है। अब हमारे सामने एक और अहम कदम उठाने की चुनौती है।



ग्रुप स्टेज में भारत ने पाकिस्तान को दी थी मात

फाइनल मुकाबला ग्रुप बी में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मैच का दोहराव होगा। दोनों टीमें 5 नवंबर को आमने-सामने आई थीं, जिसमें भारत ने 3-2 से रोमांचक जीत दर्ज की थी। उस मुकाबले में सुहैल अहमद भट ने दो गोल किए थे, जबकि मैंगलेंथांग किपगेन ने एक गोल दागा था। भारत ने एक समय 3-0 की मजबूत बढ़त बना ली थी। हालांकि, पाकिस्तान ने इंजरी टाइम में लगातार दो गोल करके मुकाबले को रोमांचक बना दिया था। इसके बावजूद भारतीय टीम जीत हासिल करने में सफल रही। इसके बाद पाकिस्तान ने मालदीव को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और फिर बांग्लादेश को शिकस्त देकर फाइनल का टिकट कटाया। नॉकआउट मुकाबलों से पहले पाकिस्तान की टीम में विदेशों में खेलने वाले कई खिलाड़ी भी शामिल हुए हैं, जिससे उसकी ताकत बढ़ी है।

कोच मूसा ने पाकिस्तान को बताया मजबूत चुनौती

भारतीय कोच नौशाद मूसा का मानना है कि ग्रुप स्टेज के मुकाबले की तुलना में फाइनल में पाकिस्तान की टीम बिल्कुल अलग नजर आएगी। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि फाइनल मुकाबला काफी अलग होगा। ग्रुप स्टेज में जिस पाकिस्तान की टीम का हमने सामना किया था, उसकी तुलना में अब टीम में काफी बदलाव है। कुछ नए खिलाड़ी भी उसके साथ जुड़े हैं। पाकिस्तान ने हमारे पहले मुकाबले का विश्लेषण किया होगा और वह पूरी तैयारी तथा मजबूत इरादों के साथ मैदान पर उतरेगा। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय टीम का ध्यान अपनी रणनीति पर अमल करने, अनुशासन बनाए रखने और अहम मौकों पर सही फैसले लेने पर होगा।



सेमीफाइनल में भूटान को हराकर फाइनल में पहुंचा भारत

भारत ने सेमीफाइनल में भूटान को 2-1 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। इस मैच में विष्णु पीवी ने नौवें मिनट में गोल करके भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद कप्तान छिंगलेनसाना सिंह कोंशाम ने 27वें मिनट में दूसरा गोल दागकर भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। दूसरे हाफ की शुरुआत में भूटान ने एक गोल जरूर किया, लेकिन भारतीय टीम ने अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए मुकाबला जीत लिया। सेमीफाइनल और फाइनल के बीच सिर्फ दो दिन का अंतर होने के कारण भारतीय टीम के लिए खिलाड़ियों की फिटनेस और रिकवरी भी अहम होगी। कोचिंग स्टाफ खिलाड़ियों के वर्कलोड को नियंत्रित करने के साथ टीम को फाइनल के लिए मानसिक रूप से तैयार कर रहा है।

राष्ट्रीय पर्वों पर पत्रकारो को कितना सम्मान? RTI से खुलेगा सरकारी विज्ञापनों का पूरा हिसाब

15 अगस्त और 26 जनवरी पर विज्ञापन देने में बजट की कमी, लेकिन जन्मदिन और निजी आयोजनों के शुभकामना संदेशों में दिखती है तत्परता; दो वर्षों के विज्ञापन वितरण का हिसाब सार्वजनिक कराने की तैयारी

मूक पत्रिका

पवन कुमार नाग की रिपोर्ट

बस्तर 15 नवम्बर 2026, लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कही जाने वाली पत्रकारिता आज एक ऐसे सवाल के सामने खड़ी है, जिसका जवाब प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को देना जरूरी है। दिन-रात मेहनत कर जनता की समस्याओं, सरकारी योजनाओं, विकास कार्यों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति को सामने लाने वाले समाचार पत्रों और पत्रकारिता संस्थानों को आखिर कितना सम्मान और सहयोग मिल रहा है? विशेषकर देश के दो महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) और गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) के अवसर पर सरकारी विज्ञापन वितरण की व्यवस्था को लेकर यह सवाल लगातार उठ रहा है।



राष्ट्रीय पर्व केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि देश की आजादी, संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता के प्रतीक हैं। इन अवसरों पर सरकारी विभागों, प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की ओर से समाचार पत्रों में शुभकामना संदेश प्रकाशित कराए जाते हैं। लेकिन स्थानीय स्तर पर कई समाचार पत्र संचालकों और पत्रकारों की शिकायत है कि राष्ट्रीय पर्वों के अवसर पर विज्ञापन देने की बात आती है तो बजट और नियमों का हवाला दिया जाता है। यहां तक कि पांच हजार रुपये के विज्ञापन को लेकर भी संकोच दिखाई देता है।

जन्मदिन और निजी आयोजनों पर तत्परता, राष्ट्रीय पर्वों पर उदासीनता क्यों?-इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल विज्ञापन वितरण की प्राथमिकताओं को लेकर उठ रहा है। जब किसी जनप्रतिनिधि का जन्मदिन होता है, किसी अधिकारी का जन्मदिवस होता है अथवा निजी और सार्वजनिक आयोजन आयोजित किए जाते हैं, तब समाचार पत्रों में शुभकामना संदेश प्रकाशित कराने के लिए अपेक्षाकृत तत्परता दिखाई देती है। ऐसे अवसरों पर विज्ञापन और प्रचार-प्रसार के लिए संसाधनों की व्यवस्था भी होती नजर आती है।लेकिन जब देश के राष्ट्रीय पर्वों पर समाचार पत्रों के माध्यम से शुभकामना संदेश प्रकाशित कराने और स्थानीय पत्रकारिता संस्थानों को प्रोत्साहित करने की बात आती है, तब वही तत्परता क्यों दिखाई नहीं देती? क्या राष्ट्रीय पर्वों पर पत्रकारिता संस्थानों को सम्मान देने के लिए बजट का अभाव है, या फिर विज्ञापन वितरण की प्राथमिकताओं में ही कहीं असमानता है?यह सवाल किसी एक समाचार पत्र या पत्रकार तक सीमित नहीं है, बल्कि उन तमाम छोटे और स्थानीय समाचार पत्रों से जुड़ा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर जिला मुख्यालय तक जनता की आवाज को प्रमुखता से प्रकाशित करते हैं।

RTI से मांगा जाएगा दो वर्षों का पूरा हिसाब-अब इस मामले में पारदर्शिता लाने के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम (ऋ्रढ्ढ) का सहारा लेने की तैयारी की जा रही है। इसके तहत पिछले दो वर्षों में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस और 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर जारी किए गए सरकारी विज्ञापनों की विस्तृत जानकारी मांगी जाएगी।इसमें प्रमुख रूप से यह जानकारी मांगी जाएगी कि किन-किन समाचार पत्रों को सरकारी विज्ञापन जारी किए गए, प्रत्येक समाचार पत्र को कितनी राशि का विज्ञापन दिया गया, विज्ञापन जारी करने का आधार और निर्धारित मापदंड क्या रहे तथा विज्ञापन वितरण की स्वीकृति किस विभाग या अधिकारी के माध्यम से दी गई। इसके साथ ही जन्मदिन, शुभकामना संदेशों और अन्य निजी अथवा सार्वजनिक आयोजनों के लिए सरकारी विभागों से जारी विज्ञापनों और भुगतान संबंधी अभिलेखों की जानकारी भी नियमानुसार मांगे जाने की तैयारी है। उद्देश्य यह जानना है कि सरकारी विज्ञापन वितरण में कहीं पक्षपात, भेदभाव या नियमों की अनदेखी तो नहीं हुई है।

छोटे समाचार पत्रों की अनदेखी का सवाल-स्थानीय पत्रकारिता की सबसे बड़ी ताकत उसका जमीनी जुड़ाव है। ग्रामीण अंचलों में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायत व्यवस्था और सरकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याओं को स्थानीय समाचार पत्र ही लगातार प्रमुखता से उठाते हैं। कई बार ऐसे मुद्दे बड़े मीडिया संस्थानों तक नहीं पहुंच पाते, लेकिन स्थानीय पत्रकार उन्हें प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के सामने लाते हैं।इसके बावजूद छोटे और स्थानीय समाचार पत्रों को विज्ञापन वितरण में उचित अवसर मिल रहा है या नहीं, यह जांच का विषय है। सरकारी विज्ञापन किसी की व्यक्तिगत कृपा नहीं, बल्कि निर्धारित नीति, पात्रता और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत वितरित किए जाने वाला सार्वजनिक संसाधन है। इसलिए इसकी जानकारी सार्वजनिक होना और वितरण के मापदंड स्पष्ट रहना बेहद जरूरी है।

प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से सीधे सवाल-अब सवाल यह है कि राष्ट्रीय पर्वों पर विज्ञापन वितरण के लिए आखिर कौन-सी नीति अपनाई जाती है? क्या सभी पात्र समाचार पत्रों को समान अवसर दिया जाता है? यदि किसी समाचार पत्र को विज्ञापन नहीं दिया गया, तो उसके पीछे क्या कारण रहा? क्या विज्ञापन वितरण की सूची और भुगतान का विवरण सार्वजनिक किया जा सकता है?इन सवालों का जवाब केवल विज्ञापन राशि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्थानीय पत्रकारिता के सम्मान, निष्पक्षता और लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसकी भूमिका से भी जुड़ा हुआ है।

अब जवाबदेही से नहीं चलेगा काम-पत्रकारिता का उद्देश्य केवल खबर प्रकाशित करना नहीं, बल्कि व्यवस्था को जवाबदेह बनाना भी है। ऐसे में सरकारी विज्ञापन वितरण की प्रक्रिया पर सवाल उठना और सूचना के अधिकार के माध्यम से उसका हिसाब मांगना पूरी तरह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है।अब देखना होगा कि पिछले दो वर्षों का विज्ञापन वितरण संबंधी रिकॉर्ड क्या तस्वीर सामने लाता है। किन समाचार पत्रों को प्राथमिकता मिली, किन्हें विज्ञापन से वंचित रखा गया और इसके पीछे क्या नियम एवं आधार रहे–इन सभी सवालों का जवाब सूचना के अधिकार से सामने आने वाली जानकारी के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। राष्ट्रीय पर्व देश के सम्मान और लोकतंत्र की पहचान हैं। ऐसे अवसरों पर पत्रकारिता संस्थानों के साथ सम्मानजनक और पारदर्शी व्यवहार होना चाहिए। आखिर सवाल सिर्फ पांच हजार रुपये के विज्ञापन का नहीं, बल्कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मिलने वाले सम्मान और सरकारी व्यवस्था की निष्पक्षता का है।

छठ पर्व पर महापौर की दावेदार रिंकी मांडले ने व्रतधारियों से की मुलाकात, दी शुभकामनाएं

मूक पत्रिका

रिसाली। छठ महापर्व के पावन अवसर पर रिसाली नगर निगम में महापौर पद की दावेदार रिंकी मांडले शीतला मंदिर तालाब पहुंचीं। यहां उन्होंने छठ पूजा के लिए पहुंचे व्रतधारियों एवं श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उन्हें छठ पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर रिंकी मांडले ने छठ महापर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि छठ पूजा आस्था, श्रद्धा, अनुशासन और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। यह पर्व हमें सूर्यदेव एवं छठी मैया की आराधना के साथ परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना करने का संदेश देता है। छठ पर्व



हमारी सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक एकता को मजबूत करने का भी माध्यम है। उन्होंने व्रतधारियों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान क्षेत्र के अनेक सामाजिक संगठनों एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों से भी उनकी मुलाकात हुई। सभी ने आपसी सौहार्द के साथ छठ पर्व की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत के 24 घंटे में सुधरा हैंडपंप

45 दिनों से परेशान थे इलमिड़ी के ग्रामीण

मूक पत्रिका

बीजापुर/आशीष पदमवार। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर दर्ज शिकायत के बाद उसूर विकासखंड के ग्राम इलमिड़ी में 45 दिनों से बंद हैंडपंप महज 24 घंटे में चालू हो गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की कार्रवाई से पेयजल के लिए परेशान ग्रामीणों को राहत मिली है। ग्राम इलमिड़ी में मंदिर के पास स्थित हैंडपंप करीब डेढ़ महीने से खराब था। इससे आसपास के परिवारों को पानी की व्यवस्था करने में दिक्कत हो रही थी। ग्रामीण कृष्णा यादव ने 7 अक्टूबर को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत दर्ज कर हैंडपंप की मरम्मत कराने की मांग की थी।शिकायत मिलने के बाद लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग



ने तत्काल कार्रवाई करते हुए विभागीय अमले को मौके पर भेजा। निरीक्षण के बाद 8 अक्टूबर को हैंडपंप की मरम्मत कर पेयजल सुविधा बहाल कर दी गई। विभाग ने शिकायतकर्ता को भी निराकरण की जानकारी दी।

शिकायतकर्ता ने जताया आभार-समस्या का समाधान होने पर कृष्णा यादव ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन आम नागरिकों की समस्याओं को शासन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। शिकायत के अगले ही दिन कार्रवाई होने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है।



विधानसभा सत्र के मद्देनजर 17 दिसंबर तक अधिकारियों-कर्मचारियों की छुट्टियों पर लगी रोक

मूक पत्रिका

दुर्गेश गुप्ता -बलरामपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र को देखते हुए बलरामपुर जिला प्रशासन ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अवकाश पर प्रतिबंध लगा दिया है। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने जिले में पदस्थ सभी शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों के अवकाश पर 17 दिसंबर 2026 तक रोक लगाने का आदेश जारी किया है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र 14 दिसंबर से 17 दिसंबर 2026 तक आयोजित होगा। सत्र के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था सुचारू बनाए रखने तथा विभागीय कार्यों के त्वरित निष्पादन को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।जारी आदेश के अनुसार, इस अवधि में सभी अधिकारी-कर्मचारियों को अपने मुख्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना होगा। अपरिहार्य परिस्थितियों में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के



कर्मचारी अपने कार्यालय प्रमुख की अनुमति से अवकाश ले सकेंगे। वहीं जिला स्तरीय अधिकारियों को अवकाश के लिए कलेक्टर से लिखित अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।कलेक्टर द्वारा जारी यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

युवा महोत्सव 2026 : 60 सेकंड की रील से दिखाएं अपना हुनर, जीतें पुरस्कार और बनाएं राज्य स्तर तक पहचान

15 से 29 वर्ष के छत्तीसगढ़ के मूल निवासी युवा ले सकेंगे हिस्सा, नशामुक्ति के संदेश पर आयोजित होगा Creative Youth Reel Challenge

मूक पत्रिका

बेमेतरा, 17 नवंबर 2026 छत्तीसगढ़ युवा महोत्सव 2026 में जिले के युवाओं को अपनी रचनात्मकता, हुनर और प्रतिभा प्रदर्शित करने का शानदार अवसर मिलने जा रहा है। इस बार युवा अपने मोबाइल के माध्यम से महज 60 सेकंड की रील बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। इसके लिए Creative Youth Reel Challenge आयोजित किया जा रहा है। आयोजन समिति द्वारा प्रतियोगिता के नियम एवं दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को सोशल मीडिया के सकारात्मक उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है।

60 सेकंड की रील में देना होगा नशामुक्ति का संदेश-प्रतियोगिता की थीम ÷नशामुक्त युवा फॉर विकसित छत्तीसगढ़÷ निर्धारित की गई है। प्रतिभागियों को इस विषय पर अधिकतम 60 सेकंड की एक मौलिक एवं रचनात्मक रील तैयार करनी होगी। रील के माध्यम से नशे के दुष्परिणाम, युवाओं के भविष्य पर इसका प्रभाव, नशे से दूरी और स्वस्थ एवं विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में युवाओं की भूमिका जैसे विषयों को प्रभावशाली अंदाज में प्रस्तुत किया जा सकता है। प्रत्येक प्रतिभागी केवल एक ही रील प्रस्तुत कर सकेगा।

15 से 29 वर्ष के युवा कर सकेंगे पंजीयन-इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागी की आयु 15 से 29 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा प्रतिभागी का छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना अनिवार्य है। इच्छुक पात्र प्रतिभागी WhatsApp नंबर 98261 68395 पर संदेश भेजकर अपना पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन के लिए प्रतिभागी को अपना पूरा नाम एवं मोबाइल नंबर उपलब्ध कराना होगा।

Instagram पर रील पोस्ट करना अनिवार्य-प्रतिभागियों को अपनी तैयार रील अपने व्यक्तिगत Instagram अकाउंट पर पोस्ट करनी होगी। रील पोस्ट करते समय बेमेतरा जिले के आधिकारिक Instagram अकाउंट @bemetar-adistrict ·¤ô Collab में जोड़ना एवं ञ्जडुद्द करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही पोस्ट में निम्नलिखित हैशटैग का उपयोग करना होगा : #Cg_Youth_Festw®w{

#NashaMuktChhattisgarh

रील पोस्ट करने के बाद उसका लिंक आयोजन समिति को उपलब्ध कराना होगा।लाइक्स और view के आधार पर मिलेगा सहभागिता का अंक प्रतियोगिता में Instagram पर प्राप्त वास्तविक लाइक्स को विशेष महत्व दिया जाएगा। निर्धारित मूल्यांकन प्रक्रिया के अनुसार सोशल मीडिया सहभागिता के लिए 40 अंक निर्धारित किए गए हैं। फर्जी लाइक्स, बॉट अथवा कृत्रिम माध्यमों से लाइक्स बढ़ाए जाने की पुष्टि होने पर संबंधित प्रतिभागी की प्रविष्टि निरस्त कर दी जाएगी।

नियमों को दरकिनार कर बिना पंचायत प्रस्ताव के चल रहा राखड़ भराव

NTPC में चल रहा बड़ा खेल , निजी भूमि की आड़ में कई एकड़ सरकारी जमीन पाटने का आरोप

बिलासपुर। जिले के ग्राम पंचायत भिलाई में सरकारी जमीन और प्राकृतिक जलस्रोतों पर कब्जे का गंभीर मामला सामने आया है। नोहर साय चौक के पास स्थित ऐतिहासिक चूना खदान निस्तारी तालाब को राखड़ से पाटा जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह पूरा काम बिना ग्राम पंचायत के प्रस्ताव और प्रशासनिक अनुमति के किया जा रहा है। निजी जमीन की आड़ में करीब 3 एकड़ शासकीय भूमि पर भी कब्जे की कोशिश की जा रही है।तालाब में राखड़ भरने से गांव के लोगों के सामने निस्तारी और मवेशियों के लिए पानी का संकट खड़ा हो सकता है। जिस तालाब का पानी ग्रामीण वर्षों से नहाने-धोने और दूसरे जरूरी कामों में इस्तेमाल करते आए हैं, अब उसी तालाब का



अस्तित्व खतरे में नजर आ रहा है।

निजी जमीन की आड़ में सरकारी जमीन पर नजर-ग्रामीणों के मुताबिक खसरा नंबर 9/1 की करीब 1.164 हेक्टेयर निजी जमीन की आड़ में उससे लगी खसरा नंबर 227 और 229 की लगभग तीन एकड़ शासकीय जमीन पर भी राखड़ डाला जा रहा है। आरोप है कि इस तरह सरकारी जमीन को पाटकर उस पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस काम के लिए ग्राम पंचायत से कोई प्रस्ताव भी पारित नहीं कराया गया।

गांव की जरूरत का तालाब, अब राखड़ से भरने की तैयारी-चूना खदान तालाब भिलाई और आसपास के ग्रामीणों के लिए महत्वपूर्ण जलस्रोत है। इस तालाब का मनरेगा के तहत गहरीकरण और सौंदर्यीकरण भी कराया गया था। ग्रामीण इसी पानी का उपयोग निस्तारी के लिए करते हैं। मवेशियों के लिए भी यह तालाब पानी का प्रमुख सहारा है। ऐसे में तालाब को राखड़ से पाटना केवल जमीन का मामला नहीं, बल्कि ग्रामीणों की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा गंभीर सवाल है।

NTPC के राखड़ परिवहन पर फिर उठे सवाल-ग्रामीणों ने NTPC सीपत के राखड़ प्रबंधन और परिवहन व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि दूसरे राज्यों और दूर के शहरों के नाम पर बिल्टी बनाकर राखड़ को आसपास के गांवों में ही खपाया जा रहा है। भिलाई, परसदा, गतौरा और खैरा सहित कई गांवों में इस तरह राखड़ डाले जाने की शिकायतें सामने आने की बात कही जा रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि राखड़ परिवहन में फर्जी नंबर प्लेट, GPS और फास्टैग के दुरुपयोग से जुड़े मामले भी हो सकते हैं। उनका दावा है कि कागजों में गाड़ी किसी दूसरी जगह दिखाई जाती है, जबकि राखड़ आसपास के क्षेत्रों में खाली किया जाता है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र जांच और दस्तावेजों से पुष्टि होना बाकी है।

RTO उड़नदस्ता की भूमिका पर भी सवाल-इस पूरे मामले में बिलासपुर RTO उड़नदस्ता टीम की कार्यप्रणाली पर भी ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि एक ही वाहन के अलग-अलग नंबर प्लेट इस्तेमाल किए जा रहे हैं तो इसकी जांच क्यों नहीं होती? आम वाहन चालकों पर कार्रवाई करने वाला विभाग आखिर राखड़ परिवहन में कथित गड़बड़ियों पर सख्ती क्यों नहीं दिखा रहा है?



स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।